घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 25- मंगलवार 25- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

अलविदा धर्मेंद्र...

फिल्म इंडस्ट्री के 'ही-मैन' धर्मेंद्र नहीं रहे

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया है। 89 साल के धर्मेंद्र ने सोमवार दोपहर अपने घर पर अंतिम सांस ली। सनी देओल ने अपने पिता को नम आंखों से मुखाग्नि दी। हेमा मालिनी व ईशा भी श्मशाम स्थल पहुंची। सलमान खान,संजय दत्त,अमिताभ बच्चन, आमिर खान समेत कई बॉलीवुड स्टार पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन को एक युग के अंत का संकेत कहा है।

पवन हंस श्मशान घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

बीते कुछ समय से धर्मेंद्र की सेहत लगातार गिर रही थी और वह बढ़ती उम्र से जुड़ी कई समस्याओं से जूझ रहे थे। कुछ दिन पहले उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था,जहां उनकी हालत बिगड़ने पर परिवार लगातार उनके साथ था। बाद में उन्हें घर ले जाया गया,जहां उनका इलाज चल रहा था। धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार पवन हंस श्मशान घाट पर हुआ। उनका पूरा नाम धर्मेंद्र केवल कृष्ण देओल था और उनका जन्म 8 दिसंबर, 1935 को पंजाब के नसरानी गांव में हुआ था। एक छोटे-से गांव से निकलकर भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में शामिल होने तक का उनका सफर किसी किंवदंती से कम नहीं रहा।

पूरे फिल्म उद्योग में शोक की लहर

धर्मेंद्र के निधन की खबर फैलते ही फिल्म इंडस्ट्री में मातम छा गया। उनके चाहने वाले, साथी कलाकार और दोस्त इस खबर पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। सोशल मीडिया पर हजारों पोस्ट उनके नाम से भरे पड़े हैं, फैंस, सेलेब्रिटीज और फिल्मकार उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। सभी के संदेशों में एक ही बात है, धर्मेंद्र का जाना एक युग का अंत है। उनकी मुस्कुराती तस्वीरें, उनकी भारी-भरकम आवाज, उनका करिश्मा और सादगी, सब अब केवल यादों में रह जाएंगे। कई लोग मानने को तैयार ही नहीं कि बॉलीवुड का 'ही-मैन' अब इस दुनिया में नहीं है। धर्मेंद्र के देहांत की खबर से दुखी काजोल ने इंस्टाग्राम पर अपनी भावनाएँ साझा करते हुए लिखा,'एक नेक और महान आत्मा हमें छोड़कर चली गई। दुनिया आज पहले से कहीं ज़्यादा खाली महसूस हो रही है... ऐसा लगता है कि हम अपने सबसे अच्छे लोगों को खोते जा रहे हैं। धरम जी हमेशा दयालु, स्नेही और प्यारे रहे। उनकी कमी हमेशा खलेगी। RIP धरमजी... ढेर सारा प्यार।

धर्मेंद्र के पास 4.50 करोड़ के शेयर,1 करोड़ का सोना

हेमा मालिनी के 2024 चुनावी हलफनामे के अनुसार,धर्मेंद्र की चल-अचल संपत्ति पत्नी से कहीं ज्यादा थी। धर्मेंद्र के पास 2024 में 43 लाख 19 हजार 16 रुपये नकद थे। बैंक डिपॉजिट में 3 करोड़ 52 लाख 99 हजार 371 रुपये जमा थे। शेयर,बॉन्ड और डिबेंचर में निवेश 4 करोड़ 55 लाख 14 हजार 817 रुपये का था। ज्वेलरी की वैल्यू 1 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई,जो उनके शौक को दर्शाती है। कुल चल संपत्ति 17 करोड़ 15 लाख रुपये से ज्यादा थी,जबकि हेमा मालिनी की 12 करोड़ से अधिक। अचल संपत्ति में जुहू का 126 करोड़ रुपये का बंगला और 9 करोड़ 36 लाख रुपये का नॉन-एग्रीकल्चरल लैंड शामिल है। कुल मिलाकर धर्मेंद्र की संपत्ति 153 करोड़ रुपये से ऊपर थी,जो हेमा मालिनी की 125 करोड़ 70 लाख 39 हजार 961 रुपये से काफी ज्यादा थी।

धर्मेंद्र के प्यार में जोगन हो गईं थीं मीना कुमारी फिल्मी गलियारे में अधूरी रह गई ये प्रेम कहानी

सदाबहार एक्टर धर्मेंद्र अपनी शानदार एक्टिंग और लुक्स के लिए जाने जाते हैं। लेकिन पर्दे के पीछे भी उनका जलवा कम नहीं था। कई अभिनेत्रियां उन पर फिदा थीं। उन्हीं में से एक थीं महान अदाकारा मीना कुमारी। मीना कुमारी की शादी फिल्ममेकर कमाल अमरोही से हुई थी, जो उनसे 15 साल बड़े थे। हालांकि, उनका रिश्ता ज्यादा नहीं चला और तलाक हो गया। इसी दौरान मीना कुमारी की नजदीकियां धर्मेंद्र से बढ़ीं। उस वक्त धर्मेंद्र इंडस्ट्री में नए थे और मीना कुमारी ने उन्हें कई फिल्ममेकर्स से मिलवाया, क्योंकि उन्हें धर्मेंद्र की एक्टिंग पर पूरा भरोसा था। जब मीना कुमारी का निधन हुआ, तो एक्ट्रेस नरगिस ने उन्हें एक खत लिखा, जिसका मजमून था 'मौत मुबारक'। इस खत में नरगिस ने यह भी बताया कि मीना कुमारी धर्मेंद्र से बेइंतहा मोहब्बत करती थीं। 'ये उन दिनों की बात है: उर्दू मेमॉयर ऑफ सिनेमा लेजेंड्स' नाम की किताब में इस खत का जिक्र है, जिसे यासिर अब्बासी ने लिखा है। इस खत के अंश से मीना कुमारी की निजी जिंदगी की दर्द भरी कहानी सामने आती है।

फिल्म 'इक्कीस' में सुनी जाएगी धर्मेंद्र की आखिरी आवाज

धर्मेंद्र के चाहने वालों के लिए एक और भावनात्मक पल हाल ही में आया,जब फिल्म 'इक्कीस' से उनका नया मोशन पोस्टर जारी किया गया। इस पोस्टर में धर्मेंद्र की आवाज भी सुनाई देती है, जिसने फैंस को भावुक कर दिया है। अगस्त्य नंदा स्टारर यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज़ होगी और यही धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म मानी जा रही है। उनकी आवाज और उनकी मौजूदगी इस फिल्म के ज़रिए फैंस को एक बार फिर उनसे जोड़ देगी। धर्मेंद्र की सुपरहिट फिल्मों की सूची इतनी लंबी है कि उसे गिनते-गिनते वक्त लग जाए, लेकिन कुछ फिल्में ऐसी हैं जो भारतीय सिनेमा की रीढ़ बन चुकी हैं। 'शोले' (1975) में वीरू बनकर उन्होंने दोस्ती और मस्ती दोनों को एक नए रूप में पेश किया। 'चुपके-चुपके' में प्रोफेसर परिमल त्रिपाठी के किरदार में उनकी कॉमिक टाइमिंग आज भी लोग मिसाल के तौर पर याद करते हैं। 'सीता और गीता' (1972), 'धरमवीर' (1977),'फूल और पत्थर' (1966),'जुगनू' (1973) और 'यादों की बारात' (1973) इन फिल्मों का ज़िक्र किए बिना हिंदी सिनेमा का इतिहास अधूरा है।

प्रधानमंत्री आज अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर ध्वजारोहण करेंगे

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण पूरा होने के बाद ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार,25 नवंबर को सुबह अयोध्या पहुंचेंगे जहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनका स्वागत करेंगे। मोदी करीब 10 बजे प्रधानमंत्री सप्तमंदिर जाएंगे, जहां महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि,देवी अहिल्या,निषादराज गुहा और माता शबरी से जुड़े मंदिर हैं। इसके बाद वे शेषावतार मंदिर जाएंगे। सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री माता अन्नपूर्णा मंदिर जाएंगे। इसके बाद वे राम दरबार गर्भ गृह में दर्शन और पूजा करेंगे,जिसके बाद वे राम लला गर्भ गृह में दर्शन करेंगे। दोपहर करीब 12 बजे, प्रधानमंत्री अयोध्या में पवित्र श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वजारोहण करेंगे, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने और सांस्कृतिक उत्सव और राष्ट्रीय एकता के एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होगा। यह देश के सामाजिक-सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।प्रधानमंत्री इस ऐतिहासिक मौके पर सभा को भी संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की शुभ पंचमी को होगा, जो श्री राम और मां सीता की विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त के साथ होगा, यह दिन दिव्य मिलन का प्रतीक है। यह तारीख नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस को भी दर्शाती है, जिन्होंने 17वीं सदी में अयोध्या में 48 घंटे बिना रुके ध्यान किया था, जिससे इस दिन का आध्यात्मिक महत्व और बढ़ जाता है।

पहलगाम में धर्म पूछकर मारा गया, घटना आज भी करती है विचलित : राजनाथ सिंह

चंडीगढ़,24 नवम्बर 2025। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कुरुक्षेत्र दौरे के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार में कहा कि पहलगाम की घटना आज भी विचलित करती है,जब पहलगाम में पर्यटन के लिए गए हमारे निर्दोष यात्रियों को धर्म पूछ कर मारा गया। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने केवल भारत की शांतिप्रियता को ही चुनौती नहीं दी थी, बल्कि वो ये मान बैठे थे कि भारत की शालीनता उसकी कमजोरी है। इसके बाद हमने ऑपरेशन सिंदूर से इसका माकूल जवाब दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकी भूल गए भारत गीता का देश है,जहां करूणा भी है और युद्ध में धर्म की रक्षा की प्रेरणा भी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि शांति के ताप को जीवित रखना है तो उसके भीतर शक्ति का ताप अनिवार्य है। निर्दोषों की रक्षा करनी है तो बलिदान देने का साहस भी उतना ही आवश्यक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी पांडवों को यही समझाया था कि युद्ध बदले की भावना या महत्वाकांक्षा नहीं बल्कि धर्म की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए।

निजी परिसर में मतदान केंद्र के प्रस्ताव पर ममता ने जताई आपत्ति

कोलकाता,24 नवम्बर 2025। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को विस्तृत पत्र लिखकर राज्य में जारी चुनाव संबंधी तैयारियों से जुड़े गंभीर मुद्दों पर कड़ी आपत्ति जताई है। मुख्यमंत्री ने पत्र में बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा मांगे गए प्रस्ताव पर सवाल उठाए हैं। इसके तहत एक वर्ष की अवधि के लिए 1000 डेटा एंट्री ऑपरेटर और 50 सॉफ्टवेयर डेवलपर नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा गया है। साथ ही, पत्र में कहा गया है कि जब जिला प्रशासन के पास पहले से ही कुशल कर्मियों की पर्याप्त संख्या मौजूद है तो फिर इस काम को बाहरी एजेंसी को सौंपने की आवश्यकता क्यों उत्पन्न हुई। परंपरागत रूप से जिला कार्यालय अपने अनुबंधित कर्मियों को आवश्यकता के अनुसार नियुक्त करते आए हैं।

जस्टिस सूर्यकांत बने 53 वें मुख्य न्यायाधीश,राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के तुरंत बाद जस्टिस सूर्यकांत ने अपने बड़े भाई के पैर छूकर आशीर्वाद लिया, जिसका भावुक दृश्य समारोह में मौजूद सभी लोगों ने देखा। इस अवसर पर उनके परिवार के कई सदस्य भी मौजूद रहे। शपथ लेने के बाद मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों से मुलाकात की। वे पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई से भी गले मिले, जो समारोह का एक यादगार क्षण रहा। इस शपथ ग्रहण समारोह की खासियत यह रही कि भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहली बार इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रति निधिमंडल ने हिस्सा लिया। ब्राजील,भूटान,केन्या,मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश अपनी-अपनी फैमिली के साथ समारोह में शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट के कई जज, वरिष्ठ अधिवक्ता और शीर्ष संवैधानिक पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति ने भारत की न्यायिक परंपरा, लोकतांत्रिक मूल्यों और वैश्विक मंच पर न्यायपालिका की बढ़ती प्रतिष्ठा को एक नई ऊंचाई दी है।

दिल्ली प्रदूषण के खिलाफ था प्रदर्शन, 22 गिरफ्तार

इंडिया गेट पर नक्सली हिड़मा के पोस्टर लहराए गए,लाल सलाम और अमर रहे के नारे लगे

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। दिल्ली में इंडिया गेट पर रविवार देर शाम वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल लोगों ने देश के मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44) के पोस्टर लहराए। पोस्टरों में हिड़मा की तुलना आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा से की गई। हिड़मा को जल,जंगल और जमीन का रखवाला बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने 'माड़वी हिड़मा अमर रहे' जैसे नारे लगाए। उन्होंने पोस्टरों पर भी 'माड़वी हिड़मा को लाल सलाम' जैसे नारे लिखे थे। एक प्रदर्शनकारी के पोस्टर पर लिखा था 'बिरसा मुंडा से लेकर माड़वी हिड़मा तक,हमारे जंगलों और पर्यावरण का संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान भीड़ की पुलिस से हाथापाई भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर मिर्च स्प्रे कर दिया,जिससे तीन-चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को दो थानों में एफआईआर दर्ज की हैं। अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें कि नक्सली हिड़मा एक करोड़ का इनामी नक्सली था।

तमिलनाडु में 2 बसों की आमने-सामने टक्कर,6 की मौत,30 यात्री घायल

तेनकासी,24 नवम्बर 2025। तमिलनाडु के तेनकासी जिले में सोमवार को दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 यात्री घायल हो गए हैं। मरने वालों में 5 महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस और तेनकासी से कोविलपट्टी जा रही बस में सोमवार सुबह 11 बजे टकरा गईं। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि गलती ड्राइवर की थी। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस का ड्राइवर लापरवाही और तेज स्पीड में गाड़ी चला रहा था। घायल यात्रियों का नजदीकी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कुछ पीड़ितों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। कटर की मदद से

बस के क्षतिग्रस्त हिस्सों को काटकर यात्रियों को बाहर निकालना पड़ा।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने जताई संवेदना

इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ' तेनकासी के कदयानल्लूर में हुए बस हादसे में 6 लोगों की मौत की खबर सुनकर अत्यंत दुख हुआ। मैंने जिला इंचार्ज मंत्री के.के.एस.आर. रामचंद्रन को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया है।

पनडुब्बी रोधी युद्धक 'माहे' नौसेना में शामिल

पश्चिमी समुद्र तट के लिए होगा 'साइलेंट हंटर'

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। पनडुब्बी रोधी युद्धपोत जलयान 'माहे' सोमवार को भारतीय नौसेना का हिस्सा बन गया। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इसे औपचारिक रूप से समुद्री बेड़े में शामिल किया। सेनाध्यक्ष ने कहा कि हम लद्दाख से हिंद महासागर तक सूचना युद्ध से लेकर संयुक्त तर्क तक हर क्षेत्र में एक ऑपरेशनल आंख हैं, ऑपरेशन सिंदूर उस तालमेल का एक उपयुक्त उदाहरण था। यह युद्धपोत पश्चिमी समुद्र तट पर एक 'साइलेंट हंटर' के रूप में भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करेगा। कोच्चि स्थित कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निर्मित माहे श्रेणी के पहले पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जलयान (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) माहे को आज मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शामिल किया। यह नौसेना के जहाजों के डिजाइन एवं निर्माण में भारत की

आत्मनिर्भरता का अत्याधुनिक उदाहरण है। यह जहाज छोटा होते हुए भी शक्तिशाली है और चपलता, सटीकता एवं सहनशक्ति का प्रतीक है, जो तटीय क्षेत्रों पर प्रभुत्व बनाए रखने के लिए आवश्यक गुण माने जाते हैं। सीएसएल के मुताबिक इसका निर्माण 80 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी सामग्री से हुआ है। मालाबार तट पर स्थित ऐतिहासिक तटीय शहर माहे के नाम पर बने इस जहाज के शिखर पर 'उरुमी' अंकित है, जो कलारीपयट्टू की लचीली तलवार है, जो चपलता, सटीकता एवं घातकता का प्रतीक है। माहे का जलावतरण स्वदेशी उथले पानी के लड़ाकू विमानों की एक नई पीढ़ी के आगमन का प्रतीक है। इस जहाज में फुर्ती, सटीकता और सहनशक्ति है, ये खूबियां समुद्र के किनारे बसे इलाकों पर कब्जा करने के लिए बहुत जरूरी हैं। अपनी फायरपावर, स्टेल्थ और मोबिलिटी के मेल के साथ इस जहाज को सबमरीन का शिकार करने, तटीय गश्त करने और भारत के जरूरी समुद्री रास्तों को सुरक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है। पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की मौजूदगी में सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी ने आईएनएस माहे का गाइडेड टूर किया। आर्मी चीफ को युद्धपोत के ब्रिज पर ले जाया गया और उन्हें शिप के ऑपरेशन्स के बारे में डिटेल में जानकारी दी गई।

उत्तराखंड में श्रद्धालुओं से भरी बस खाई में गिरी,5 की मौत

टिहरी,24 नवम्बर 2025। उत्तराखंड के टिहरी में श्रद्धालुओं से भरी बस 70 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। टिहरी के एसपी आयुष अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुए इस हादसे में गुजरात, हरियाणा, बिहार, उत्तरप्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और दिल्ली के 13 लोग घायल हैं, जिसमें से 6 की हालत नाजुक है। बस ऋषिकेश के दयानंद आश्रम से 29 लोगों को कुंजापुरी मंदिर लेकर गई थी, यहीं से लौटते वक्त कुंजापुरी-हिंडोलाखाल के पास अचानक बस के ब्रेक फेल हो गए और ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया। नरेंद्रनगर थाने के दरोगा संजय ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे के बाद बस (UK14PA1769) के अंदर से शवों को बाहर निकाला गया। बुरी तरह घायल हुए 6 लोगों को ऋषिकेश स्थित AIIMS में भर्ती करवा गया

है जबकि 7 लोगों को नरेंद्रनगर के श्री देव सुमन अस्पताल में भेजा गया है। 5 मृतकों में 4 महिलाएं और 1 युवक शामिल है। मृतकों में दिल्ली, गुजरात और उत्तरप्रदेश के लोग शामिल इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है, जिनमें दिल्ली की अनीता चौहान,गुजरात के पार्थसाथी मधुसूदन जोशी, महाराष्ट्र की नमिता प्रभोध, बैंगलुरु के अनुज वेंकटरमन और सहारनपुर, उत्तर प्रदेश के आशु त्यागी शामिल हैं। सभी यात्रियों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी।

योगी ने राम मंदिर में मोहन भागवत का स्वागत किया

अयोध्या,24 नवम्बर 2025। अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा फहराने की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। शहर को 1000 क्विंटल फूलों से सजाया जा रहा है। मंदिर पर फहराई जाने वाली धर्मध्वजा जन्मभूमि पहुंच चुकी है। राम जन्मभूमि और आसपास की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। हेलिकॉप्टर से निगरानी की जा रही है। ATS-NSG कमांडो ने मंदिर को घेर रखा है। इसके अलावा SPG, CRPF और PAC के जवान भी तैनात हैं। 5 लेयर में मंदिर की सुरक्षा है। सीएम योगी और संघ प्रमुख मोहन भागवत भी सोमवार को राम मंदिर पहुंचे। योगी ने हाथ जोड़कर मोहन भागवत का स्वागत किया। इसके बाद सीएम ने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उधर, अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि श्री राम किसी जाति के या पार्टी के नहीं, वे तो सभी के हैं। लेकिन बीजेपी राम मंदिर की ठेकेदार बनी हुई है। मुझे ही कार्यक्रम में नहीं बुलाया गया।

संपादकीय

रिजर्वेशन उसी को मिलना चाहिए,जो जरूरतमंद...

समझ लीजिए जस्टिस बीआर गवई के इस बयान का मतलब

अपने कार्यकाल के आखिरी दिन भी चीफ जस्टिस बीआर गवई ने आरक्षण से जुड़े उस महत्वपूर्ण मामले को उठाया, जिस पर वह बोलते रहे हैं। उन्होंने अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति में भी क्रीमीलेयर लागू करने की वकालत की। चीफ जस्टिस ने इस मुद्दे से जुड़े जिन पहलुओं को उठाया, वे अपनी जगह बिल्कुल सही हैं और उन पर गौर किया जाना चाहिए।

चीफ जस्टिस ने कहा कि रिजर्वेशन उसी को मिलना चाहिए, जो जरूरतमंद है। आरक्षण का उद्देश्य भी यही है-सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना और ऐतिहासिक रूप से पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान करना। लेकिन पिछड़े वर्गों के भीतर भी जो आगे बढ़ चुके हैं, उन्हें हमेशा के लिए यह लाभ नहीं मिलना चाहिए।

क्रीमीलेयर का सवाल नया नहीं है। तमिलनाडु सरकार ने 1969 में पिछड़े वर्गों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए सत्तनाथन कमिशन का गठन किया था। इसी कमिशन ने पहली बार क्रीमीलेयर का कॉन्सेप्ट पेश किया। 1986 में कर्नाटक सरकार से जुड़े एक मुकदमे में शीर्ष अदालत ने कहा था कि राज्य सरकार को आर्थिक आधार पर जांच लागू करनी चाहिए ताकि सही लोगों को आरक्षण का लाभ मिल सके। इस मामले में इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ का मुकदमा नजीर है। इसी में सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत और ओबीसी में क्रीमीलेयर लागू करने का फैसला दिया था। इसके बाद केंद्र ने एक आयोग गठित किया, ताकि क्रीमीलेयर को परिभाषित किया जा सके। जब एक वर्ग में क्राइटेरिया तय किया जा चुका है, तो इसे दूसरे वर्गों में भी आजमाने में दिक्कत नहीं आनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में एससी/एसटी कैटिगरी के भीतर सब-कैटिगरी को मंजूरी दी थी। इसका मकसद यही था कि वर्ग के भीतर मौजूद हर जाति तक आरक्षण का फायदा पहुंचे और कोई खास तबका ही लाभान्वित न होता रहे। क्रीमीलेयर भी इसी मकसद के लिए जरूरी है। 50 साल पहले जस्टिस कृष्ण अय्यर ने आरक्षण की इसी खामी की ओर ध्यान दिलाया था कि ऊपरी तबका सारे लाभ ले जाता है।

पूरे देश में इस समय आरक्षण की सीमा को लेकर चर्चा है। एक बड़ी मांग है कि 50 प्रतिशत लिमिट नहीं होनी चाहिए। लेकिन, अगर जरूरतमंदों को फायदा नहीं मिल रहा, तो कोई भी लिमिट आरक्षण के उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकती। जो आगे बढ़ चुके हैं, उन्हें दूसरों का रास्ता रोकने के बजाय, आगे से हटकर पीछे वालों को रास्ता देना चाहिए।

जब कानून और समाज आमने-सामने खड़े हों

व्यक्ति की स्वतंत्रता, पारिवारिक मर्यादा और एक त्रासदी का गहन सामाजिक विश्लेषण

"स्वतंत्रता और परंपरा–दोनों अपने-अपने स्थान पर सही,पर जब टकराते हैं तो सबसे पहले टूटता है एक सामान्य परिवार। कानून अपना काम करता है,समाज अपनी जिद पर अड़ा रहता है, और बीच में पिस जाता है वह घर जिसने न विद्रोह किया,न अपराध–फिर भी वही सबसे बड़ा शिकार बन जाता है।"

डॉ. प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार (हरियाणा)

भारत जैसे विशाल और विविध सामाजिक ढाँचे वाले राष्ट्र में व्यक्ति के अधिकार और समाज की सामूहिक मर्यादाएँ एक-दूसरे से लगातार टकराती रहती हैं। संविधान व्यक्ति को स्वतंत्रता देता है,अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है,लेकिन सामाजिक परम्पराएँ यह स्वीकार नहीं कर पातीं कि कोई लड़की या लड़का परिवार की इच्छा और बिरादरी की मान्यताओं से अलग कोई जीवननिर्णय ले। यह संघर्ष नया नहीं है, लेकिन आज की जमीनी हकीकत में इसका तनाव कहीं अधिक विकराल रूप ले चुका है।

हाल ही की एक त्रासदी में यही टकराव खुलकर सामने आया,जब एक युवती ने अपने ही गाँव के युवक से विवाह कर लिया–ऐसा विवाह जो पूरी तरह कानूनी था, लेकिन समाज की दृष्टि में सर्वथा अस्वीकार्य। सामाजिक विरोध,पंचायत की मनाही,परिवार की पीड़ा और प्रतिष्ठा के दबाव के बीच लड़की शहर चली गई थी, पर कुछ समय बाद वापस अपने ही पैतृक गाँव में बहू बनकर लौट आई। यही वापसी समाज को चुनौती की तरह दिखाई दी और परिवार पर अत्यन्त तीव्र मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ा। वही दबाव परिस्थितियों को उस कगार तक ले गया जहाँ भाई ने अपनी ही बहन की हत्या कर दी। इस एक क्षण ने न केवल एक जीवन छीना, बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया। यह घटना सिर्फ मानवता पर एक चोट नहीं है,यह एक ऐसा दर्पण भी है जिसमें हम अपने समय की सबसे बड़ी विडंबना को साफ देख सकते हैं–कानून कुछ कहता है,समाज कुछ और। व्यक्ति की स्वतंत्रता एक दिशा में जाती है, जबकि परंपराएँ दूसरी दिशा में खींचती हैं। इन दोनों के बीच जो परिवार खड़ा होता है, वह अक्सर दोनों ओर से घायल होता है। कानून वयस्कता की उम्र तय कर देता है,पर वह ग्रामीण समाज की संवेदनात्मक संरचना,परिवार की प्रतिष्ठा, और सामुदायिक दबाव को नहीं समझता। वहीं समाज स्वतंत्रता के अधिकार को अवज्ञा या विद्रोह की तरह देखता है और परिवार पर ऐसी जिम्मेदारियाँ डाल देता है जिन्हें निभाना असंभव है।

परिवार ही इस संघर्ष का सबसे बड़ा पीड़ित बनता है। बेटी का गांव छोड़कर जाना, रिश्तेदारों की टिप्पणियाँ, पंचायत का दबाव, सामाजिक प्रतिष्ठा का संकट–ये सभी घटनाएँ एक घर को भीतर से हिलाकर रख देती हैं। कानून परिवार से लड़की को स्वीकार करने का संदेश देता है, जबकि समाज उसे अस्वीकार करने का दबाव डालता है। ये दोनों ताकतें परिवार को दो हिस्सों में चीर देती हैं–एक हिस्सा जिसे मन ने स्वीकार कर लिया है, और दूसरा हिस्सा जिसे समाज स्वीकार नहीं करने देता। ऐसे में विवेक धुंधला पड़ जाता है और भावनाएँ निर्णयों पर हावी होने लगती हैं। इस घटना का सबसे भयावह पहलू यह था कि सोशल मीडिया पर 95 प्रतिशत टिप्पणियाँ इस हत्या को सही ठहरा रही थीं। यह केवल कुछ व्यक्तियों की राय नहीं, बल्कि समाज में पनप रही एक खतरनाक सामूहिक सोच का संकेत है। जब कोई समाज अपनी भावनाओं और परंपराओं के दबाव में हत्या जैसे अपराध को भी न्याय मानने लगे, तो यह किसी भी सभ्य व्यवस्था के लिए अत्यन्त गंभीर स्थिति है। कानून की शक्ति तभी तक है जब तक समाज उसे नैतिक समर्थन देता है। जब समाज हिंसा को नैतिक ठहराने लगे,कानून कमजोर नहीं, बल्कि अप्रासंगिक हो जाता है। और यही स्थिति किसी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ी चेतावनी है। विवाह की स्वतंत्रता का प्रश्न भी इस घटना में नए दृष्टिकोण से उभरता है। भारतीय कानून मानता है कि 18 और 21 वर्ष की उम्र में व्यक्ति परिपक्व और स्वतंत्र निर्णय लेने योग्य होता है। पर क्या वास्तव में यह उम्र जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय बिना परिवार के अनुभव, बिना सामाजिक समझ,बिना भविष्य की जिम्मेदारियों को समझे लेने के लिए पर्याप्त है? भारतीय परिवार व्यवस्था में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मामला नहीं होता, यह दो परिवारों, रिश्तों और समाजों का मामला होता है। ऐसे में कम आयु में किया गया आवेगपूर्ण निर्णय केवल व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है।

यही कारण है कि कई लोग तर्क देते हैं कि विवाह के लिए माता-पिता की सहमति आवश्यक होनी चाहिए–कम से कम 30 वर्ष की आयु तक। यह विचार सामाजिक अनुभवों से उत्पन्न है, पर संवैधानिक दृष्टि से कठिन है। यदि माता-पिता की सहमति अनिवार्य कर दी जाए, तो यह युवाओं पर अत्यधिक दबाव और कई मामलों में दमन को भी जन्म दे सकता है। फिर भी यह भी सच है कि परिवार से विमुख होकर किए गए विवाहों के परिणामों का सबसे बड़ा बोझ परिवारों को ही उठाना पड़ता है। यह द्वंद्व इतना गहरा है कि कोई भी पक्ष न पूरी तरह सही ठहराया जा सकता है,न पूरी तरह गलत।

समाज अक्सर कहता है कि लड़की ने परिवार की कई हत्याएँ कर दीं–यह भाषा कानूनी नहीं, बल्कि भावनात्मक है। कानून भावनात्मक मृत्यु को अपराध नहीं मान सकता। पर परिवार इसे वास्तविक समझता है क्योंकि वे इसे प्रत्यक्ष जीते हैं। यही वह खाई है जिसे पाटना सबसे कठिन है। कानून कहता है निर्णय व्यक्तिगत है,समाज कहता है निर्णय सामूहिक है। और इन्हीं दो कथनों के बीच वह परिवार टूट जाता है जिसके इर्द-गिर्द इस तरह की घटनाएँ जन्म लेती हैं।

इस मामले में सबसे अधिक नुकसान उसी परिवार का हुआ जिसने न अपराध चुना, न विद्रोह। लड़की की जान चली गई,भाई का जीवन जेल में समाप्त, माता-पिता ने एक बेटी और एक बेटे दोनों को खो दिया, घर की आर्थिक-सामाजिक नींव हिल गई, बच्चों का भविष्य अनिश्चित हो गया। जबकि समाज के लिए यह महज चर्चा का विषय रह गया,और सरकार के लिए सिर्फ एक केस फाइल।

प्रश्न यह है कि सरकार क्या कर सकती है? भागकर विवाह पर रोक समाधान नहीं है,पर इस प्रक्रिया में सुधारों की आवश्यकता है। विवादित विवाह से पहले अनिवार्य परामर्श,परिवार-युवा मध्यस्थता, पंचायतों के अधिकारों पर स्पष्ट सीमा, और स्कूल-कॉलेजों में सामाजिक जिम्मेदारी की शिक्षा–ये सभी कदम जरूरी हैं। न्यायिक और प्रशासनिक संस्थाओं को भी परिवार की सामाजिक पीड़ा को समझने की आवश्यकता है।

अगहन विशेष: दीप प्रथा

अंतर्मन की साधना,
लगा भक्ति में ध्यान।
मनोकामना पूर्ण हो,
दर्शन दे भगवान।।

हमारे हिंदू पंचांग के अनुसार अगहन माह का विशेष महत्व है।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
गरियाबंद,छत्तीसगढ़

कार्तिक माह के पश्चात् अगहन माह जिसे मार्गशीर्ष माह भी कहते हैं, जिसके आते ही ठंड द्वार पर दस्तक देने लगती है। शीतल समीर के साथ ओस की बूँदें स्वर्ग से उतरकर मोतियों की भाँति प्रकृति का श्रृंगार करने लगती हैं एवं माता लक्ष्मी की आभा के सदृश्य पृथ्वी लोक में अपनी छटा बिखेरने लगती हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं कि स्वयं माता लक्ष्मी और देवगुरु बृहस्पति दोनों का साथ में धरती पर आगमन होता है। महिलाएं एवं कुँवारी कन्याएं व्रत रख कर माता लक्ष्मी को प्रसन्न करती हैं।

हमारे हिंदू धर्म में महिलाएं व्रत रखने में पीछे नहीं; हर व्रत को भगवान की भक्ति मान कर सच्चे मन से साधना करती हैं। इसी प्रकार अगहन माह में प्रत्येक गुरुवार के दिन यह व्रत रखा जाता है ताकि माँ लक्ष्मी का आशीर्वाद सदैव बना रहे।

ऐसे ही हिंदू धर्म के देवांगन कुल में अपनी कुल देवी माता परमेश्वरी में दीप चढ़ाने की परंपरा है। मान्यता है कि माता परमेश्वरी,वीर हनुमान जी तथा माता लक्ष्मी को अगहन में दीप चढ़ाने से कष्ट और निर्धनता दूर होती है। कुल देवी साक्षात् अपने भक्तों पर कृपा कर उन्हें सुख-समृद्धि और वैभव प्रदान करती हैं। साथ में अंजनीपुत्र वीर हनुमान जी माता परमेश्वरी की सहायता के लिए सदैव साथ रहते हैं, इससे वीर हनुमान जी का भी आशीर्वाद भक्तों पर बना रहता है।

दीप दान के नियमः अगहन बृहस्पतिवार के आते ही परिवार-समाज में एक अलग ही रौनक चेहरे में दीप्तिमान होने लगती है। धान की नई बालियाँ, नई फसलें तथा माता को भोग के रूप में दीपक अर्पित किया जाता है।

नई ऊर्जा, नई उमंग शरीर

में संचारित होने लगती है। हमारे पूर्वजों के समय से ही यह मान्यता चली आ रही है कि ऐसे ही किसी भी दिन दीप नहीं चढ़ाया जाता है; यह दीप देवांगन कुल में अगहन माह के कोई भी एक मंगलवार को अर्पित किया जाता है।

मंगलवार विशेषः माँ परमेश्वरी के रूप का मंगलवार के दिन प्राकट्य माना जाता है इसलिए कोई भी कार्य मंगलवार के दिन किया जाना शुभ माना जाता है। इससे माता परमेश्वरी प्रसन्न रहती हैं और आशीर्वाद देती हैं। इस दिन हम मिट्टी का दीपक नहीं बल्कि चावल आटे से बना दीपक जलाते हैं।

दीपक बनाने की विधिः- सूर्य किरण के धरा आगमन से पहले महिलाएं उठ कर स्नान करती हैं और नए धान के चावल को स्वच्छ जल से धो लेती हैं तथा इसे बाँस की टोकरी (चुरकी) में रखती हैं। पानी पूरी तरह से निकल जाने के बाद उसे धूप की आँच दिखाती हैं। एक-दो घंटे में चावल के सूख जाने पर उसे अच्छी तरह साफ कर पिसती हैं। पहले के जमाने में सिलबट्टे में इसे पीसा जाता था, अब इस आधुनिक युग में मील या मिक्सी का सहारा लिया जाता है। शाम के समय एक बर्तन में चावल आटा रखकर उसमें गर्म पानी डालते हैं, जिसे (खुद करना) बोला जाता है। धीरे-धीरे आटा गूंथने के बाद उसे छोटे-छोटे दीयों का आकार दिया जाता है तत्पश्चात गैस चूल्हे में रखे गर्म पानी के उबलने के बाद उसमें छन्नी या जालीदार बर्तन की सहायता से उन कच्चे दीपकों को रखकर ढँक दिया जाता है। लगभग पंद्रह से बीस मिनट तक भाप की सहायता से पकाया जाता है। नए चावल से तैयार दीपक बहुत ही अच्छा और मुलायम बनता है।

पूजन विधि सूर्यास्त होते ही घरों में घंटी की ध्वनि तरंगें चारों दिशाओं में गूंजने लगती हैं। धूप की महक आत्मा को छू जाती है। कपूर से नकारात्मक ऊर्जा घरों में प्रवेश नहीं करती है। माताएं पूरे घर की साफ-सफाई करने के पश्चात् देवता कमरा (पूजन का एक अलग सा कमरा जो विशेष देवताओं के लिए बनाया जाता है) को पीली मिट्टी (पींवरी छूही) से लिपाई करती हैं, उसके बाद परिवार के सभी सदस्य माता परमेश्वरी के पूजन स्थान में जाकर चावल आटे से बने दीपक में बाती लगाकर उसमें तेल डालकर जलाते हैं,धूम-धूप, अगरबत्ती,चंदन, कपूर और गेंदे के पुष्प के साथ नतमस्तक होकर माता का आशीर्वाद लेते हैं और वैभव की कामना करते हैं। घर के बड़े बुजुर्ग से शुरुआत करते हुए सबसे छोटे बच्चे तक क्रमशः इस विधान का अंत किया जाता है। कुल के सभी देवी-देवताओं को बारी-बारी से प्रणाम करते हैं। उसके बाद घर के हर एक कोने में चावल आटे का दीपक रखा जाता है, जिससे माता लक्ष्मी का आगमन होता है।

प्रसाद-पूजन विधि समाप्त होने के बाद बच्चे घर के बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हैं। वैसे तो प्रसाद ग्रहण करने का सभी इंतजार करते हैं लेकिन बच्चे कुछ ज्यादा ही उत्सुक होते हैं। इस दिन आसपास जितने भी देवांगन परिवार रहते हैं, उन्हें चावल आटा का दीपक प्रसाद के रूप में वितरण करते हैं। एक-दूसरे के घर दीया पहुँचाने की परंपरा है। इस दिन को त्यौहार स्वरूप मनाया जाता है।

घर आते ही सभी सदस्य एक साथ इकट्ठा होकर चावल आटा का दीपक और साथ में टमाटर मिर्च की चटनी खा कर आनंद लेते हैं। यह मुलायम और स्वादिष्ट होता है।

सभी धर्म जाति में अपने-अपने कुल के देवी-देवताओं को प्रसन्न रखने का अलग-अलग नियम होता है, इसी प्रकार हमारे देवांगन कुल में भी अगहन बृहस्पति मो स में दीपक चढ़ा कर माता को प्रसन्न किया जाता है।

भारतीय समाज की जड़ों में विदेशी मानसिकता का बोझ

सुभाष बुड़ावन वाला,रतलाम.मप्र.

भारतीय समाज की जड़ों में विदेशी मानसिकता का बोझ बहुत गहराई तक धँसा हुआ है। सदियों की औपनिवेशिक शासन-व्यवस्था ने भारतीयों के भीतर यह भ्रम पैदा कर दिया कि अपनी भाषा,अपना ज्ञान,अपने संस्कार और अपने वैज्ञानिक चिन्तन की कोई भरोसेमंद हैसियत नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2035 तक इस मानसिक दासता से पूरी मुक्ति का आह्वान इसलिए केवल एक राजनीतिक घोषणा नहीं, बल्कि भारत के पुनर्जागरण की अनिवार्य शर्त है। आज भी, देश का शायद ही कोई नागरिक होगा जिसे अपनी मातृभाषा में दक्ष होने या भारतीय वेश-भूषा अपनाने के कारण किसी न किसी प्रतिष्ठान में हीन दृष्टि से न देखा गया हो। दक्षता और प्रतिभा के बजाय अंग्रेज़ी को योग्यता का पैमाना मान लेना,भारतीय समाज को गहरी मानसिक गुलामी में बाँधने वाली ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली का ही अवशेष है। मैकाले द्वारा गढ़ी गई शिक्षा-नीति ने श्रम,कौशल और वैज्ञानिक जिज्ञासा का अवमूल्यन कर सूट-बूट संस्कृति को कौशल और प्रतिभा से ऊपर स्थापित कर दिया।

भारत का ज्ञान-विज्ञान आज भी विश्व में सम्मान पाता है,किन्तु हम स्वयं उसे तब स्वीकार करते हैं जब पश्चिम उसे मान्यता दे। योग, ध्यान, परंपरागत उपचार पद्धतियाँ,आयुर्वेद,नाड़ी-विज्ञान,इन सब पर दुनिया शोध कर रही है और इन्हें आधुनिक विज्ञान का पूरक मानती है,जबकि हम यहाँ भी अपनी विरासत को वैकल्पिक या सीमित समझते रहे। पश्चिमी त्योहारों को आधुनिकता का प्रतीक और भारतीय पर्वों को पिछड़ेपन का संकेत बताने की मानसिकता भी इसी औपनिवेशिक सोच की देन है।

भारत की प्राचीन विज्ञान परंपरा की मिसालें केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि प्रमाणित हैं। आज के शोध बताते हैं कि भारत में शून्य,त्रिकोणमिति,खगोल विज्ञान,धातुकर्म,नगर नियोजन और शल्य चिकित्सा का व्यवस्थित विकास सहस्त्रों वर्ष पहले हो चुका था। सिंधु-सरस्वती सभ्यता के नगर,लोहे की अटूट अशोक स्तंभ तकनीक,वेदों में वर्णित ग्रह-गति सिद्धांत, अथर्ववेद में रोग-निदान के सूत्र,सुश्रुत की शल्य चिकित्सा, पंचतंत्र की मनोविज्ञान-आधारित नीति-शिक्षा–इन सबकी वैज्ञानिकता आज भी आश्चर्य जगाती है।

पुरातात्विक खोजों में कई मंदिरों की संरचनाओं में आधुनिक मशीनों जैसी आकृतियाँ दिखाई देती हैं,जो यह संकेत देती हैं कि प्राचीन भारत की कल्पना शक्ति अत्यधिक उन्नत थी। भारत ने भले ही आधुनिक युग में पेटेंट नहीं करवाए,पर ज्ञान का एक विस्तृत भंडार विश्व को दिया। यह भी तथ्य है कि भौतिक तकनीक को कोई देश चुरा सकता है,पर आध्यात्मिक और मानसिक विज्ञान–जैसे ध्यान, चित्तविज्ञान,मनो-संयम–भारत की अमर देन हैं,जिन्हें कोई राष्ट्र अपनी संपत्ति नहीं बना सकता।

आज समय बदल चुका है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता,रोबोटिक्स,जैव-प्रौद्योगिकी,क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे नए क्षेत्र पूरे विश्व को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। भारत के युवाओं की प्रतिभा इन क्षेत्रों में पहले ही ध्वज फहरा रही है। विश्व की प्रमुख टेक कंपनियों,शोध संस्थानों और स्पेस एजेंसियों में भारतीय वैज्ञानिकों का नेतृत्व इसी क्षमता का प्रमाण है। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल,IBM, और NASA जैसी संस्थाओं में भारतीय शोधकर्ताओं की उपस्थिति केवल संयोग नहीं, बल्कि भारतीय कौशल की वैश्विक स्वीकार्यता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम हीनता-भाव को त्यागकर अपने कौशल,अपनी भाषाओं,अपने मूल्यों और अपने ज्ञान-विज्ञान पर गर्व करते हुए नई तकनीक के साथ कदम मिलाएँ। यदि 140 करोड़ भारतीय आत्मविश्वास,आत्मगौरव और परिश्रम के साथ आगे बढ़ें, तो दुनिया की कोई शक्ति भारत को उसका उचित स्थान पाने से नहीं रोक सकती। भारतीय प्रतिभा का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा जब हम मानसिक दासता की जंजीरों को तोड़कर अपनी मौलिक शक्ति को पहचानेंगे और विश्व को फिर से दिशा देने वाले राष्ट्र के रूप में उभरेंगे!

दस्तावेजों पर मत लिखें जातिसूचक शब्द

डॉ. सुनील सावन

सावन साहित्य सेवा सदन का समाज सुधारक पहल

समाजसेवी साहित्यकार एवं शिक्षक डॉ. सुनील सावन ने उत्तर प्रदेश सरकार के आईजीआरएस पोर्टल पर समाज सुधारक सुझाव पंजीकृत करते हुए चिन्ता व्यक्त की कि वर्तमान में जातिवाद मानव जीवन के लिए सबसे गंभीर खतरा है। बार-बार लिखने से शब्द-शक्ति बलवती होती जाती है। इसीलिए जातिसूचक शब्द लिखने से बचना चाहिए। जातिसूचक शब्द लिखने का तात्पर्य है जातिवाद को बढ़ावा देना, जो एक सभ्य समाज के लिए शोभनीय नहीं है। माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद ने वाहनों पर जाति सूचक शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगाया है तथा पुलिस विभाग को भी गिरफ्तारी,एफआईआर इत्यादि की कार्रवाई में जाति सूचक शब्द नहीं लिखने का निर्देश दिया है। इस ऐतिहासिक फैसले का हम सब स्वागत करते हैं, सराहना करते हैं। अब जातिगत सम्मेलनों का आयोजन भी गैरकानूनी है। इस लोकहितैषी एवं समाज सुधारक पहल को जमीनी स्तर पर उतारने में उत्तर प्रदेश सरकार की भी महती भूमिका रही है।

कवि सावन ने कहा कि विश्वबंधुत्व, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं लोक कल्याण की दृष्टि से जाति सूचक शब्द का प्रयोग शुभ नहीं है। इसीलिए अपने नाम के साथ जाति सूचक शब्द का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए। एक रहें, नेक रहें। समाज को जाति व्यवस्था की जंजीर से मुक्त करने के लिए सर्वप्रथम जन्म प्रमाण पत्र में जाति सूचक शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगाना होगा। जन्म प्रमाण-पत्र से ही जाति सूचक शब्द का जन्म होता है। जिस प्रकार खसरा-खतौनी में जाति सूचक शब्दों का प्रयोग नहीं होता है वैसे ही आधार कार्ड, निर्वाचन कार्ड, मतदाता सूची, पैन कार्ड,राशन कार्ड,लाइसेंस, आय प्रमाण-पत्र,निवास प्रमाण-पत्र, उपस्थिति-पंजिका इत्यादि सरकारी एवं गैर-सरकारी दस्तावेजों पर भी जाति सूचक शब्द के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाना अनिवार्य है ताकि समाज में विश्व बंधुत्व, राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता की सरिता प्रवाहित हो सके। हमारी एक ही जाति है-मानव,और एक ही धर्म है- मानवता। इसी में समझदारी है,बाकी सब दुनियादारी है।

सावन साहित्य सेवा सदन, अटल नगर (अमवा बाजार),रामकोला, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. सुनील सावन ने कहा कि सरकारी एवं गैर-सरकारी कर्मचारियों एवं पदाधिकारीगण के नाम के साथ जाति सूचक शब्द का प्रयोग उचित नहीं है। इससे समाज में भेद-भाव का माहौल उत्पन्न होता है जिससे कल्याणकारी सेवाएं प्रभावित होती हैं। अतः सरकारी एवं गैर-सरकारी कर्मचारियों को भी निर्देशित करें कि वह अपने नाम के साथ जाति सूचक शब्द ना लिखें।

क्रिप्टो करेंसी का चलन,वर्तमान मुद्राओं के चलन को भविष्य में खतरा

संजीव ठाकुर,
रायपुर,छत्तीसगढ़,

क्रिप्टोकरेंसी, यानी आभासी मुद्रा,आज विश्वव्यापी आर्थिक परिदृश्य में एक अभूतपूर्व नवाचार के रूप में उभरी है,और इसके भौतिक अस्तित्व पर सवाल उठाना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।वर्तमान युग तकनीकी और नवाचार का युग है,और डिजिटलाइजेशन की इस लहर में क्रिप्टोकरेंसी ने आर्थिक क्षेत्र में अपनी एक नई पहचान बनाई है, जहाँ यह मुद्रा न तो हाथों में महसूस की जा सकती है और न ही जेब-पर्स में रखी जा सकती है क्योंकि इसका कोई मुद्रित या हार्ड-कॉपी रूप नहीं है,यह पूरी तरह डिजिटल है। यह विकेंद्रीकृत मुद्रा है,जिसे किसी एक संस्था या सरकार द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता और इसका संचालन कंप्यूटर एल्गोरिदम पर आधारित है,केवल कंप्यूटर या डिजिटल नेटवर्क में गिना,ट्रांसफर या भुगतान किया जा सकता है, और यह पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली के बजाय पियर-टू-पियर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में काम करती है। क्रिप्टोकरेंसी की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि यह गोपनीयता को बेहतर बनाती है । लेन-देन छद्म नामों और पहचान के साथ हो सकते हैं,जिससे निजता सुनिश्चित होती है,जो कुछ संवेदनशील व्यक्तियों को बहुत उपयुक्त लगती है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेन-देनों में थर्ड-पार्टी सर्टिफाइयर्स की ज़रूरत होती नहीं,इसलिए समय और धन की बड़ी बचत होती है, और बैंकिंग दस्तावेजों की गुंजाइशदारी भी नहीं होती। पारंपरिक बैंकिंग पर सरकार का नियंत्रण अधिक होता है,लेकिन क्रिप्टोकरेंसी उस नियंत्रण के दायरे के बाहर होती है,जिससे यह भरोसेमंद और सुरक्षित विकल्प बन जाती है; सरकार बैंक खाते को जप्त कर सकती है, लेकिन क्रिप्टो को उसी तरह नहीं,और यह नीतिगत संकट जैसे नोटबंदी या मुद्रा अवमूल्यन का प्रत्यक्ष शिकार नहीं होती। निवेश के दृष्टिकोण से, क्रिप्टोकरेंसी में पैसा लगाने वालों के लिए यह आकर्षक है, क्योंकि इसकी कीमतों में तीव्र उतार-चढ़ाव हो सकते हैं, जिससे जोखिम भले हो, लेकिन संभावित लाभ अधिक है। वहीं, सीमाओं से परे त्वरित और सस्ती ट्रांसफर क्षमताओं के कारण यह एक वैश्विक आर्थिक पुल का काम करती है।

इतिहास देखें तो सबसे पहली क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 2009 में सतोषी नाकामोतो के नाम से जानी जाने वाली इकाई ने बनाई थी,और आज 1500 से अधिक क्रिप्टोकरेंसियाँ बाजार में उपलब्ध हैं। हालाँकि, बिटकॉइन अबितियों में सबसे प्रतिष्ठित है,आपको बताया गया कि हर बिटकॉइन का मूल्य 500 है भले ही यह आकड़ा कालांतर में बदल सकता हो, लेकिन यह दिखाता है कि डिजिटल मुद्रा वास्तविक और उच्च मूल्यवान संपत्ति बन चुकी है,और कुछ लोग इसे डिजिटल गोल्ड भी कहने लगे हैं।वैश्विक स्तर पर, क्रिप्टोकरेंसी ने अपनी पैठ बना ली है। 2025 की रिपोर्ट के अनुसार,भारत,पाकिस्तान और वियतनाम जैसी एशियाई देश पूरी तरह से रिटेल क्रिप्टो उपयोग के हब बन चुके हैं। कई देशों में कानूनी रूप से क्रिप्टो की स्वीकृति है, लेकिन बहुत विविधता भी है, अटलांटिक काउंसिल के ट्रैकर के मुताबिक, 75 देशों में से लगभग 45 देशों में क्रिप्टो को पूरी तरह कानूनी माना गया है,20 में आंशिक प्रतिबंध है, और 10 में व्यापक प्रतिबंध। कुछ राष्ट्र जैसे यूएई, स्विट्ज़रलैंड और सिंगापुर अपने स्पष्ट लाइसेंसिंग ढांचों और नियामक अनुकूलता के कारण क्रिप्टो-फ्रेंडली बन गए हैं। वहीं, केवल कुछ ही देश ऐसे हैं जहां क्रिप्टोकरेंसी को कानूनी मुद्रा के रूप में स्वीकार किया गया है और उस सूची में लंबे समय तक एल साल्वाडोर अग्रणी रहा है पर यह सफलता हमेशा सहज नहीं रही है। क्रिप्टोकरेंसी के कानूनी, वित्तीय और सुरक्षा संदर्भ में गहरी चुनौतियाँ हैं। सबसे पहले, मर्यादा और नियंत्रण का प्रश्न है। कुछ देश पूरी तरह प्रतिबंध लगा चुके हैं उदाहरण के लिए चीन ने क्रिप्टो लेन-देनों को अवैध घोषित कर दिया है। दूसरी ओर,ऐसे देश हैं जो प्रयोगात्मक या सैंडबॉक्स अनुक्रमण बना रहे हैं ताकि नवाचार और सुरक्षा संतुलन बन सके।

भारतीय संदर्भ में, आपकी चिंता बिल्कुल यथार्थ है। भारत में क्रिप्टोकरेंसी की विधि-सम्मत स्वीकार्यता अभी स्पष्ट रूप से स्थापित नहीं है। हालाँकि पूर्ण प्रतिबंध के पुराने दावों के बजाय वर्तमान में एक नियंत्रित दृष्टिकोण अपनाने की कोशिश है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

सडक़ मरम्मत पर बवाल,पूर्व महापौर भड़के,अपशब्द का किया प्रयोग...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र में चल रहे सडक़ निर्माण कार्य को लेकर राजनीति एक बार फिर गर्मा गई है। हाल ही में,कांग्रेस पार्टी ने सडक़ निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं और पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की के नेतृत्व में एक निगरानी दल भी गठित किया है। यह दल यह सुनिश्चित करना चाहता है कि निर्माण कार्य में कोई भ्रष्टाचार या अव्यवस्था न हो। खासतौर पर, नावापारा में चल रहे सडक़ निर्माण कार्य पर विवाद उत्पन्न हुआ है, जब डॉ. अजय तिर्की ने वहां के निर्माण कार्य को लेकर आपत्ति जताई और उसे रोकने की कोशिश की। नावापारा में चल रहे सडक़ निर्माण कार्य के दौरान,निगम के इंजीनियर और ठेकेदार के कर्मी सडक़ पर मरम्मत के लिए पहुंचे थे। जब स्थानीय वार्डवासियों को पता चला कि सडक़ के मरम्मत का काम केवल गड्ढे भरने तक सीमित है और पूरी सडक़ को टायरिंग नहीं किया जाएगा, तो उन्होंने इसकी जानकारी पार्षद को दी। पार्षद ने इस मुद्दे पर पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की को सूचित किया और रात के समय वह मौके पर पहुंचे।

डॉ. तिर्की ने मौके पर जाकर देखा कि निगमकर्मी गड्ढों को भरने का काम कर रहे थे, लेकिन उन्होंने पूरी सडक़ की मरम्मत का काम करने का कोई प्रयास नहीं किया। जब उन्होंने इस मुद्दे पर आपत्ति जताई और काम रोकने को कहा,तो निगमकर्मी काम रोकने को तैयार नहीं थे। इससे डॉ. तिर्की नाराज हो गए और उन्होंने अशब्द का भी इस्तेमाल किया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस पर महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि डॉ. तिर्की को इस तरह से गाली-गलौज नहीं करना चाहिए था,और उनका व्यवहार अशोभनीय था। पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की ने आरोप लगाया कि वर्तमान महापौर के क्षेत्र में सडक़ों की मरम्मत का काम केवल वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां से महापौर का काफिला गुजरता है, वहां सडक़ को चकाचक किया जा रहा है, जबकि अन्य क्षेत्रों में गड्ढे भरे हुए हैं और मरम्मत का काम भी ठीक से नहीं हो रहा है। डॉ. तिर्की ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान सिर्फ उन्हीं सडक़ों की मरम्मत की गई थी,जहां से राष्ट्रपति का काफिला गुजरने वाला था। इसके बावजूद, आम जनता को धूल में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है। महापौर मंजूषा भगत ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डॉ. अजय तिर्की को इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। उनके अनुसार, यह हर किसी के लिए अशोभनीय है, खासतौर पर एक पूर्व महापौर के लिए, जिन्होंने नगर निगम में 10 साल तक सेवा दी है। महापौर ने कहा कि जब निगमकर्मी मापदंडों के अनुसार काम कर रहे थे और किसी प्रकार की गलती नहीं थी, तो डॉ. तिर्की का गुस्सा समझ से परे था। डॉ. अजय तिर्की ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब उन्हें काम की गुणवत्ता में कमी दिखाई दी, तो उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा यह सब राजनीतिक दृष्टिकोण से कर रही है और यह जनता को भ्रमित करने की कोशिश है।

डीजल चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में पिछले कई महीनों से खड़े ट्रकों से डीज़ल चोरी की लगातार मिल रही शिकायतों के बीच पुलिस ने आखिरकार एक अंतर्राज्यीय गैंग को पकडक़र बड़ी सफलता हासिल की है। हाईवे पर बीते दिनों तेजी से बढ़ती वारदातों ने परिवहन कारोबारियों और ट्रक चालकों की चिंता बढ़ा दी थी। सरगुजा पुलिस ने इस पूरे रैकेट का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को रंगे हाथों चोरी के डीज़ल और वाहन सहित गिरफ्तार किया है। जिले के कोतवाली, गांधीनगर, मणिपुर थाना क्षेत्रों में खड़े ट्रकों को इस गिरोह ने निशाना बना रखा था। रात के समय पेट्रोल पंपों और सुनसान क्षेत्रों में खड़े ट्रकों से डीज़ल निकालने की घटनाएँ लगातार सामने आ रही थीं। स्थिति तब गंभीर हो गई जब 10 नवंबर को कोतवाली क्षेत्र के नमनाकला पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रक से तीन अज्ञात युवकों द्वारा बड़ी मात्रा में डीज़ल चोरी कर लिया गया। ट्रक चालक की शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच तेज कर दी थी। एसपी राजेश अग्रवाल ने वारदात की श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए कोतवाली, गांधीनगर, मणिपुर थाना और साइबर सेल की एक संयुक्त टीम गठित की। पुलिस ने स्थानीय सूचना तंत्र को सक्रिय किया और हाईवे पर संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी बढ़ाई। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि अजबनगर क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रक से डीज़ल चोरी कर एक कार फरार हो रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने हाईवे पर नाकेबंदी की और पचिरा टोल नाका के पास संदिग्ध वाहन को रोक लिया। वाहन की तलाशी लेने पर 220 लीटर डीज़ल भरा मिला। मौके पर मिले चारों युवक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों में हीरा लोनी (41), रोहित उर्फ अश्वनी लोनी (25), ध्रुव लोनी (22), और बसंत लोनी (21) शामिल हैं। सभी आरोपी मध्यप्रदेश के जिला अनूपपुर के सिलपुर, थाना कोतमा क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पिछले कई महीनों से सरगुजा जिले के विभिन्न इलाकों में सुनसान खड़े ट्रकों को निशाना बनाकर डीज़ल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के वाहन और जब्त किए गए डीज़ल पर कार्रवाई करते हुए चारों को जेल भेज दिया है।

बैट्री फटने से कार में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

एमजी रोड स्थित होली क्रॉस स्कूल के पास रविवार की देर रात चलती कार की बैट्री अचानक फट गई और आग लग गई। चालक ने वाहन से कूदकर अपनी जान बुझाई। कार आकशवाणी का था, जिसे कांट्रेक्टर पर लिया गया था। चालक आकाशवाणी के कर्मचारी को ट्रांसमिटर सिलफिली सूरजपुर छोडक़र वापस रात करीब 1 बजे आ रहा था। जानकारी के अनुसार आकाशवाणी अंबिकापुर द्वारा कांट्रेक्टर के माध्यम से कार अपने आवश्यकता के यूज के लिए लिया गया था। रविवार की रात को कार का चालक आकाशवाणी के एक कर्मचारी को ट्रांसमिटर सिलफिली छोडऩ गया था। कर्मचारी को छोडक़र चालक वापस अंबिकापुर आ रहा था। रात करीब 1 बजे जैसे ही एमजी रोड स्थित होली क्रॉस स्कूल के पास पहुंचा कार की बैट्री फट गई और वाहन में आग लग गई। चालक मोनू ने कार से कूदकर आपनी जान बचाई। चालक ने घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची तब तक कार का आगे का हिस्सा पूरी तरज जलकर खाक हो चुका था।

सत्य साईं बाबा का 100वॉ जन्म शताब्दी महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

विख्यात आध्यात्मिक गुरु और समाजसेवी श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में वनवासी कल्याण आश्रम अम्बिकापुर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सामूहिक वेदपाठ, भजन , सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं केक कटिंग किया गया अन्त में बाबा के 100 वें जन्मदिवस पर विशेष रूप से 100 दियों से महामंगल आरती की गई। अध्यक्ष जयेश वर्मा ने बताया कि आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्ती नामक गाँव में भगवान श्री सत्य साई बाबा का जन्म दिनांक 23 नवम्बर 1926 को हुआ था बाबा नें अपने जीवन काल में अध्यात्म और एकता का संदेश दिया और 'मानव सेवा ही माधव सेवा है' का संदेश जन जन तक पहुँचाया। संरक्षक संजीव गणेशपुरकर द्वारा श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया, के.डी.दुबे द्वारा सभी को सत्य साई बाबा के निः शुल्क हार्ट अस्पतालों की जानकारी दी गई। आश्रम के सदस्य अमन सिंह द्वारा आदिवासी समुदाय के बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु धन्यवाद दिया गया। संचालक रश्मि सैनी द्वारा बताया गया कि विश्व के 142 देशों में बाबा का जन्मदिन मनाया जा रहा है, सत्य साई बाबा के जन्म स्थान पुट्टपर्ती में भी भव्य आयोजन हुआ जहां भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुरमू एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित देश की तमाम हस्तियों ने हिस्सा लिया। अम्बिकापुर के वनवासी कल्याण आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न नृत्य, गायन एवं भजन की प्रस्तुतियाँ दी गई अंत में सभी भक्तजनों को भोजन भंडारा वितरित किया गया। इस आयोजन में सत्य साईं सेवा समिति अंबिकापुर के डॉ. व्ही.के. वर्मा, संजीव गणेशपुरकर, के.डी.दुबे, विजय सालुंके,प्रदीप श्रीवास्तव, जगदीश गुप्ता, शांति वर्मा, रेखा गणेशपुरकर, नूतन श्रीवास्तव, प्रीती सालुंके, सरोज सार्वे, मोनिका शर्मा, सुभद्रा शर्मा, शोभना शर्मा, रश्मि सैनी, मधुलिका, नीलम, दीपक सांवरगांवकर, लेजर अस्पताल के संचालक डॉ योगेन्द्र सिंह गहरवार, विनय मिश्रा, जयेश वर्मा, विवेक प्रताप सिंह रिंकु, डॉ. प्रवीण दुबे, अंतिमा, कुंती पैंकरा, प्रीति खंपरिया, नवीन, अनिल शर्मा, वनवासी कल्याण आश्रम अधीक्षक बलवंत साय, अमन सिंह, मानमति, विकास, सुरेश, रुपेश एवं श्री सत्य साईं सेवा समिति अंबिकापुर के अन्य सदस्यों नें इस कार्य को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

शिल्पा पांडेय ने प्रेस विमर्श में साझा की महिला उत्थान के क्षेत्र में अपनी यात्रा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

महिलाओं के उत्पीडऩ के खिलाफ संघर्ष और नारी उत्थान के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाली समाजसेवी और अधिवक्ता शिल्पा पांडेय को माता बहादुर कलारिन राज्य अलंकरण सम्मान से नवाजा गया। इस सम्मान के बाद, उन्होंने आज स्थानीय सर्किट हाउस में एक प्रेस विमर्श का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने संघर्ष और सफलता की कहानी साझा करते हुए सरगुजा की जनता और मीडिया के सहयोग का आभार व्यक्त किया। शिल्पा पांडेय ने कहा कि यह सम्मान सरगुजा की उस जनता को समर्पित है, जिन्होंने उनके हर अभियान को सफलता दिलाने में मदद की। उन्होंने मीडिया को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रेस ने हमेशा उनके सामाजिक कार्यों को प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिससे उन्हें जन जागरूकता फैलाने में मदद मिली। उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन का भी आभार व्यक्त करते हुए निष्पक्ष चुनाव के लिए धन्यवाद दिया। प्रेस से बातचीत करते हुए शिल्पा पांडेय ने बताया कि पिछले 20 वर्षों से वे महिलाओं और किशोरियों के उत्पीडऩ के खिलाफ सक्रिय रूप से जागरूकता अभियान चला रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने, स्वच्छता जागरूकता, एड्स से बचाव और मानव तस्करी की शिकार महिलाओं और किशोरियों को समाज की मुख्य धारा में जोडऩे के लिए कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में महिला स्व सहायता समूहों का गठन कर उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में भी उन्होंने कई कदम उठाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने शहरी आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को रोजगार से जोडऩे के लिए कार्य किया है और किन्नर समुदाय के सदस्यों को समाज की मुख्य धारा में शामिल कर उन्हें आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण प्रदान किया है। शिल्पा पांडेय ने अपने द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों का विवरण देते हुए बताया कि वे विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों और टोलों में किशोरियों और नाबालिक लड़कियों को लैंगिक अधिकारों और बाल संरक्षण अधिनियम के बारे में जागरूक कर रही हैं।

एसडीएम के नेतृत्व में अवैध धान भंडारण पर बड़ी कार्रवाई,300 बोरा धान जप्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में जिले में अवैध धान को लेकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम भैयाथान चांदनी कंवर के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम रजबहर, तहसील भैयाथान में छापेमारी की बड़ी कार्रवाई की है।। कार्रवाई के दौरान एक व्यापारी के गोदाम में 220 बोरा धान (कुल 88 क्विंटल) बिना किसी वैध दस्तावेज के भंडारित पाया गया। दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने पर गोदाम को सील करते हुए धान को जप्त किया गया। इसके अलावा कार्रवाई के दौरानग्राम भांडी, तहसील ओड़गी निवासी एक किसान द्वारा उक्त व्यापारी के गोदाम से 80 बोरा धान (32 क्विंटल) क्रय कर परिवहन किया जा रहा था। इस पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए 80 बोरा धान सहित ट्रैक्टर को जप्त कर थाना झिलमिली के सुपुर्द किया गया। इस कार्रवाई के दौरान तहसीलदार भैयाथान, नायब तहसीलदार प्रियंका टोप्पो व राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित थे। कलेक्टर एस जयवर्धन ने कहा है कि जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सीजीपीएससी परीक्षा में चयनित उम्मीदवार पंकज कुमार यादव को चयन पश्चात उपलब्धि पर दी गई शुभकामनायें

पुलिस अधीक्षक कार्यालय मे सीजीपीएससी परीक्षा मे चयनित उम्मीदवार को पुष्प गुच्छ देकर किया गया सम्मानित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय अम्बिकापुर मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन कर सीजीपीएससी परीक्षा में चयनित उम्मीदवार पंकज कुमार यादव को सीजी पीएससी की परीक्षा में चयन होने की उपलब्धि पर शुभकामनायें दी गई, उपरोक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पंकज कुमार यादव एवं उनके परिजनों को उनके द्वारा अर्जित उपलब्धि पर पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित करते हुए बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गई। साथ ही उनकी सफलता के सफ़र पर चर्चा करते हुए उनसे उनकी परीक्षा की तैयारी, योजना के संबंध में चर्चा की गई, विदित हो कि अंबिकापुर निवासी रामेश्वर यादव के पुत्र पंकज कुमार यादव को वर्ष 2023 की चयन परीक्षा मे 90 रैंक पाने पश्चात स्टेट टैक्स इंस्पेक्टर के पद पर चयन हुआ था एवं वर्ष 2024 की चयन परीक्षा मे 14 वां रैंक प्राप्त हुआ हैं। जो सामान्य परिवार से आते है और इनकी सफलता से जिले का मान बढ़ा है।

मासूम छात्र को पेड़ पर लटकाकर दी अमानवीय सजा,पालकों में आक्रोश

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले से शिक्षा के मंदिर को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां हंस वाहिनी विद्या मंदिर, नारायणपुर (आमापारा) में एक मासूम छात्र को अमानवीय तरीके से दंडित करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में बच्चा टी-शर्ट के सहारे पेड़ से लटका हुआ दिखाई दे रहा है और उसी हालत में इधर-उधर घूमने की कोशिश कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, बच्चे को ऐसी सजा क्यों दी गई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। लेकिन वीडियो सामने आने के बाद अभिभावकों में भारी रोष है। लोगों का कहना है कि किसी भी परिस्थिति में बच्चे पर इस तरह का अत्याचार स्वीकार्य नहीं है।

अभिभावकों ने प्रशासन से की कड़ी कार्रवाई की मांग

घटना उजागर होते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। अभिभावकों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो सके। वहीं शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने भी इसे अत्यंत निंदनीय करार दिया है और स्कूल प्रबंधन पर सवाल खड़े किए हैं। प्रशासनिक स्तर पर मामले में संज्ञान लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि जांच के बाद दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जा सकती है।

CMYK

कोरिया-सूरजपुर सीमा पर हाथियों का कहर...

कछाड़ी-जोगिया और किरवाही में फसलों की तबाही,दहशत में किसान-ग्रामीण

- रातभर रतजगा...कड़ाके की ठंड में खेतों की रखवाली कर रहे किसान
- वन विभाग से तात्कालिक क्षतिपूर्ति की मांग तेज...सालभर की मेहनत बर्बाद...

-रवि सिंह-

कोरिया,24 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। कोरिया और सुरजपुर जिले की सरहद पर इन दिनों हाथियों का दल तबाही मचा रहा है। सोनहत ब्लॉक के कछाड़ी-जोगिया और सुरजपुर के किरवाही गांव के खेतों में घुसे इन हाथियों ने धान की खड़ी फसलों को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाया है। किसानों का कहना है कि 5 से अधिक हाथी रोजाना शाम ढलते ही खेतों में उतर आते हैं और रातभर फसलों पर डेरा जमाए रखते हैं, दिनभर जंगल में छुपे रहने वाले ये हाथी रात होते ही दो-दो किलोमीटर के दायरे में फैल जाते हैं, जिससे निगरानी मुश्किल हो जाती है। कई बार ग्रामीणों को लगता है कि हाथी आगे बढ़ गए, लेकिन कुछ हाथी पीछे ही रुके रहते हैं और फसल चट कर जाते हैं।

किसान मायूस,पूरी रात जागकर चौकसी

कड़ाके की ठंड में ग्रामीणों को घर छोड़कर खेतों में रातभर जागकर चौकसी करनी पड़ रही है, जगप्रताप, कृष्ण कुमार, सोमर साय सहित कई किसानों की फसलें बुरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। ग्रामीण कहते हैं 'सालभर की मेहनत हाथियों ने एक रात में बर्बाद कर दी। '

कछाड़ी-किरवाही: सड़क के इस पार कोरिया, उस पार सूरजपुर दोनों तरफ दहशत

यह इलाका पूरी तरह सीमा बिंदु पर है। सड़क के एक तरफ कोरिया जिला खत्म होता है, दूसरी तरफ सुरजपुर शुरू होता है। इसलिए दोनों जिलों की आबादी एक ही दल के आतंक में जी रही है।

अब तक घरों पर हमला नहीं,पर फसलों पर सीधा वार

ग्रामीणों के अनुसार यह हाथी दल शांत स्वभाव का है,अब तक किसी घर को नुकसान नहीं पहुंचाया और न ही किसी जनहानि की घटना हुई है। मगर फसलों का नुकसान 'बड़े पैमाने' पर हो रहा है, हाथियों की खासियत यह देखी गई कि शोरगुल की आवाज में ये बिदकते नहीं,बल्कि सीधे जंगल की ओर लौट जाते हैं — लेकिन शाम होते ही फिर खेतों में आ जाते हैं।

नुकसान का सर्वे कर तुरंत मुआवजा दिया जाए : पुष्पेंद्र राजवाड़े

कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने सोनहत वन परिक्षेत्र के साथ-साथ सूरजपुर वन मंडल के अधिकारियों से तत्काल नुकसान का आंकलन कर क्षतिपूर्ति राशि देने की मांग की है, उन्होंने कहा किसानों की सालभर की मेहनत को हाथियों ने जड़ से नष्ट कर दिया है। वन विभाग तुरंत सर्वे कर मुआवजा दे यही न्यूनतम न्याय है।

व्यापार समाचार

गुरुग्राम में खुला टाटा स्टारबक्स का 500वां स्टोर,स्थानीय कारीगरों ने तैयार की डिजाइन

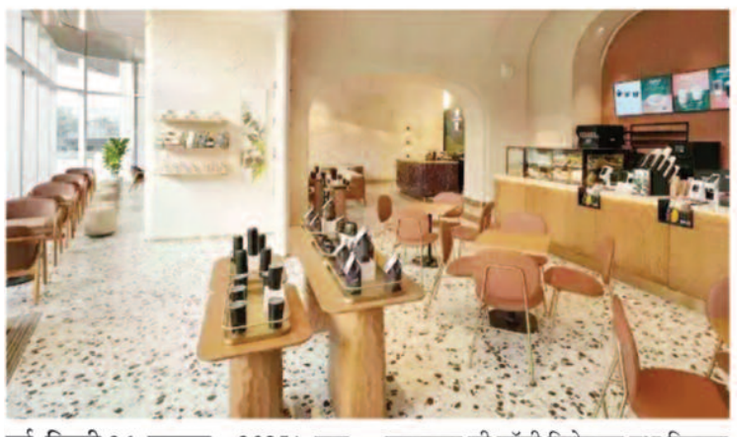

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। टाटा स्टारबक्स ने भारत में अपने 500वें स्टोर का उद्घाटन किया है। ये नया स्टारबक्स रिजर्व स्टोर हरियाणा के गुरुग्राम में खुला है। इसे स्थानीय कारीगरों की कलाकृतियों, टेक्सचर और डिजाइन से तैयार किया गया है, जो भारत की समृद्ध कॉफी विरासत को दर्शाता है। गुरुग्राम स्थित नया स्टारबक्स रिजर्व स्टोर भारत का दूसरा रिज़र्व स्टोर है और स्टारबक्स की कॉफी विशेषज्ञता तथा डिजाइन फिलॉसफी को दर्शाता है,जहां क्राफ्ट, संस्कृति और स्थानीय कला मिलकर कॉफी को एक शानदार अनुभव में बदल देते हैं। इस स्टोर में स्थानीय कलाकारों द्वारा तैयार किए गए टेक्सचर और आर्टवर्क भारत की कॉफी उत्पादन विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं। यह स्थान मेहमानों को कॉफी की कला और विज्ञान को गहराई से समझने का अवसर देता है,जहां स्टारबक्स की दुनियाभर से लाई गई रेयर और स्मॉल-लॉट कॉफी को सिफोन, पोर-ओवर और केमेक्स जैसे एडवांस्ड ब्रूइंग तरीकों से परोसा जाता है।

टाटा स्टारबक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुशांत दाश ने कहा कि यह माइलस्टोन भारत की विकसित हो रही कॉफी संस्कृति को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि '500 वेज टू बिलॉन्ग' कैंपेन उन समुदायों को समर्पित है, जिन्होंने स्टारबक्स को अपनाया। हर स्टोर, हर पार्टनर और हर ग्राहक ने तय किया है कि भारत कॉफी के जरिए कैसे जुड़ता है। दाश ने कहा गुरुग्राम में 500वें स्टारबक्स रिजर्व स्टोर का उद्घाटन हमारे इस वादे को और मजबूत करता है कि हम कप और बातचीत के माध्यम से लोगों को जोड़ने वाले अनुभव बनाते रहेंगे।

लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार,सेंसेक्स 331 अंक तक टूटा

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। शेयर बाजार में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र के दौरान गिरावट दर्ज हुई और दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। सतर्क निवेशकों की अंतिम समय में बिकवाली और किसी ठोस संकेतक के अभाव में बीएसई का सेंसेक्स 331 अंक के नुकसान में रहा,जबकि एनएसई का निफ्टी 26,000 अंक के नीचे आ गया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाते हुए 331.21 अंक यानी 0.39 फीसदी टूटकर 84,900.71 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 521.81 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 108.65 अंक यानी 0.42 फीसदी फिसलकर 25,959.50 के स्तर पर बंद हुआ है। शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांकों की शुरुआत आज बढ़त में हुई थी, लेकिन दोपहर बाद बिकवाली बढ़ने से वे लाल निशान में चले गए और गिरावट से उबर नहीं सके। आईटी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में गिरावट ज्यादा रही। एनएसई में रियलिटी, धातु, रसायन और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों पर सबसे अधिक दबाव रहा। कारोबार के अंत में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25

शेयर में गिरावट रही है। सबसे ज्यादा 3 फीसदी गिरावट बीईएल में रही। टाटा स्टील का शेयर 1.61 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.59 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.18 फीसदी, ट्रेंट का 1.16 फीसदी, बजाज फिनसर्व का 1.14 फीसदी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 1.10 फीसदी, बजाज फाइनेंस का 1.09 फीसदी और आईटीसी का शेयर 1.03 फीसदी टूट गया। इसके अलावा इंफोसिस, एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट रही। पिछले हफ्ते आखिरी कारोबारी दिन भी शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ था। सेंसेक्स 400.76 अंक यानी 0.47 फीसदी लुढ़कर 85,231.92 के स्तर पर बंद हुआ।

भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान : एसएंडपी

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 फीसदी और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। रेटिंग एजेंसी ने सोमवार को जारी ने अपनी 'इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट' में कहा, ''हमारा अनुमान है कि भारत की सकल घरेलू उतपाद (जीडीपी) 31 मार्च, 2026 को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 फीसदी की दर से बढ़ेगी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। एजेंसी के मुताबिक भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी। इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष 2025-26 और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है।

कृषि मशीनरी के सहयोग से पराली जलाने की घटनाओं में कमी : कृषि सचिव

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। कृषि मशीनरी के लिए सरकारी समर्थन और अन्य उपायों के कारण इस साल दिल्ली-एनसीआर, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है। कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने सोमवार को यह बयान दिया। चतुर्वेदी ने एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने किसानों को इस समस्या से निपटने के लिए प्रासंगिक उपकरण और आवश्यक उपाय उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से... मशीनरी उपलब्ध कराने और स्थानीय एवं बाहरी उपायों की नीति के कारण दिल्ली, एनसीआर, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है।' उन्होंने कहा कि पिछले दस दिनों में पराली जलाने की कोई घटना नहीं हुई है।

भारत-चीन हवाई रूट पर इंडिगो-एयर इंडिया को मिलेगी चुनौती

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू हो गई है। इस बीच दो चीनी एयरलाइन कंपनियां जल्द ही भारत के लिए अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। सुपर्णा एयरलाइंस और जिआंगसू जिंगडोंग कार्गो एयरलाइंस ने भारत-चीन रूट पर ऑपरेशन शुरू करने के लिए केंद्र सरकार से औपचारिक संपर्क किया है। सूत्रों का कहना है कि, चीनी एयरलाइन कंपनी सुपर्णा एयरलाइंस के साथ जिआंगसू जिंगडोंग कार्गो एयरलाइंस ने भी भारत-चीन रूट पर सेवाएं शुरू करने के लिए भारत सरकार के पास आवेदन किया है। जिआंगसू जिंगडोंग कार्गो एयरलाइंस का कार्गो सेवाएं शुरू करने का विचार कर रही है। जबकि सुपर्णा एयरलाइंस पैसेंजर उड़ानें संचालित करना चाहती है या केवल मालवाहक सेवाओं के लिए आवेदन कर रही है, अभी साफ नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि, भारत के मुकाबले चीनी

एयरलाइन कंपनियां मजबूत हैं। 2019 के दौर में जब दोनों देशों के बीच सीधी विमान सेवा भी तब भी इस रुट पर चीनी एयरलाइन कंपनियों का दबदबा होता था। क्योंकि उनके पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभव के साथ साथ तमाम प्रकार के संसाधन मौजूद थे। भारत की तुलना में अभी भी उनके पास मजबूत संसाधन है। लेकिन इंडिगो और एयर इंडिया नई ऊर्जा और नई ताकत और नए संसाधन के साथ कैसे चीनी कंपनियों से मुकाबला करेंगे ये देखना अब दिलचस्प होगा।

इस वजह से शुरू हुई सीधी विमान सेवा : इसी वर्ष अगस्त-सितंबर के दौरान भारत और चीन के संबंधों में सुधार देखा गया है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल बाद चीन पहुंचे। वहां पीएम की मुलाकात राष्ट्रपति शी चिनफिंग से हुई। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच हालिया कूटनीतिक गर्माहट का संकेत मानी जा रही है। 31 अगस्त को त्येनजिन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि, सीधी उड़ानों की बहाली पर विचार चल रहा है। गलवान झड़प के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था, जिसके चलते उड़ानें बंद हो गई थीं। सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू होना दोनों देशों के बीच रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में बड़ा कदम बताया जा रहा है। इंडिगो एयरलाइंस ने 26 अक्टूबर 2025 से कोलकाता से चीन के गुआंगज़ौ के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू की है। इसके अलावा इंडिगो ने 10 नवंबर 2025 को दिल्ली से चीन के गुआंगज़ौ के बीच भी एक विमान सेवा शुरु की है। एयर इंडिया भी 1 फरवरी 2026 से दिल्ली से शंघाई के लिए अपनी नॉन-स्टॉप उड़ानें फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है।

दोनों देशों के बीच अच्छी है यात्री डिमांड : भारत और चीन के बीच यात्रियों की संख्या हमेशा से अच्छी रहती है। 2019 में जब सीधी उड़ानें थीं तब 12 लाख से ज्यादा लोग इन उड़ानों से सफर करते थे। अगर दूसरे रूट के उड़ानों को जोड़ा जाए, तो ये संख्या 19 लाख तक पहुंच जाती थी। वहीं, जब सीधी उड़ान सेवा बंद थी तब 5.72 लाख यात्री सिंगापुर, हांगकांग, बैंकॉक और वियतनाम से चीन तक का सफर तय करते थे। ये रास्ता न केवल लंबा होता था बल्कि महंगा भी होता है। ऐसे में सीधी उड़ानें शुरू होने से यात्रियों को समय और पैसे दोनों की बचत होगी। विश्लेषकों का कहना है कि, अगर दोनों देशों के बीच वीजा नियम आसान होते हैं, तो यात्रियों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि, भारत-चीन के बीच अब रिश्ते सामान्य हो रहे है। लेकिन 2019-20 के मुकाबले 2025 की विमानन क्षेत्र की तस्वीर पूरी तरह से बदल चुकी है।

एनबीएफसी फर्मों का एयूएम लगातार बढ़ने का अनुमान अगले वित्त वर्ष 50 लाख करोड़ रुपये के होगा पार

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2025। नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) के एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) मौजूदा वित्तीय वर्ष (2025-26) और अगले वित्त वर्ष (2026-27) में लगातार 18 से 19 प्रतिशत बढ़ेंगे। एनबीएफसीस के एयूएम बढ़ने की वजह बढ़ी हुई मांग है, जो मार्च 2027 तक 50 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर करता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के एनबीएफसी के आउटलुक में कहा गया है, हाल के पॉलिसी उपायों, जैसे कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) में सुधार करना और कम करने से सभी एसेट क्लास में रिटेल क्रेडिट मांग बढ़ाने में मदद की है और भविष्य में भी करेगा। हालांकि जोखिम की आशंका और वित्तपोषण तक पहुंच जो कि डायनामिक्स अलग-अलग एंटिटीज और एसेट सेगमेंट में ग्रोथ आउटलुक पर अलग तरह से असर डालेंगे। क्रिसिल के अनुसार मौजूदा वित्त वर्ष से अगले वित्तीय वर्ष में

वाहन फाइनेंस (व्हीकल फाइनेंस, एनबीएफसी एयूएम का 22 प्रतिशत) की ग्रोथ 16-17 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी। जीएसटी में कटौती से सभी वाहन कैटेगरी विशेषकर कारों की यूनिट बिक्री को बढ़ावा मिला है और यह तेजी जारी रहने की उम्मीद है। इसके अलावा खरीदारों के बीच प्रीमियम गाड़ियों की बढ़ती मांग और यूज्ड वाहनों के फाइनेंसिंग पर फोकस से इस सेगमेंट में एयूएम की ग्रोथ को सहारा मिलेगा। हालांकि नए वाहनों के फाइनेंस में बैंकों के साथ एनबीएफसी को मजबूत प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी।

होम लोन कैटेगरी में दो वित्त वर्ष में 12-13 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान : क्रिसिल के अनुसार होम लोन (एनबीएफसी का एयूएम 22 प्रतिशत) दो वित्तीय वर्ष में एनबीएफसी के होम लोन की वृद्धि 12 से 13 प्रतिशत होने का अनुमान है। जो कि पिछले वित्तीय वर्ष से 14 प्रतिशत कम है। हालांकि एंड यूजर हाउसिंग की लंबे समय की मांग मजबूत बनी हुई है। लेकिन प्राइम होम लोन मार्केट में विशेषकर पब्लिक सेक्टर बैंक्स से बड़ी प्रतिस्पर्धा की वजह से एनबीएफसी की होम लोन वृद्धि प्रभावित होगी। इसके अलावा शीर्ष सात शहरों में रेजिडेंशियल रियल एस्टेट बिक्री की वृद्धि (वैल्यू के हिसाब से) उम्मीद से कम है और इसका असर नए होम लोन के डिस्बर्समेंट पर भी असर पड़ सकता है।

क्रिसिल रेटिंग्स के चीफ रेटिंग ऑफिसर कृष्णन सीतारामन कहते हैं, अधिक प्रतियोगिता की वजह से वाहन फाइनेंस और होम लोन में लगातार वृद्धि देखने को मिलेगी।

112 तो बहाना था...

मायावी प्रधान आरक्षक को वापस बुलाना ही असली मकसद था!

चार महीने बाहर रखा गया, लेकिन चहेते एसपी ने 'बल की कमी' बताकर बुला लिया

मायावी प्रधान आरक्षक का प्रोटोकॉल भी VIP हुआ?

चार महीने में ही मायावी प्रधान आरक्षक की घर के पास पुनः एंट्री ...क्या पुलिस विभाग दोषपूर्ण कर्मियों के आगे नतमस्तक है?

टीआई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते देखा गया जिले में चर्चा तेज, लोग बोले...'यह पद है या सत्ता का दुरुपयोग?'

-न्यूज डेस्क-

सरगुजा-कोरिया-एमसीबी,24 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले में पुलिस की कार्यशैली एक बार फिर सवालों में है,चार महीने पहले कोरिया से विवादों में घिरे मायावी प्रधान आरक्षक को जशपुर भेजा गया था,पूर्व एसपी की अनुशंसा और तत्कालीन आईजी सरगुजा के आदेश के तहत,लेकिन जैसे ही आईजी बदले, जिले में भी पदाधिकारी बदलते ही कहानी भी बदल गई, पुलिस विभाग में एक बार फिर वही पुराना खेल खुलकर सामने आ गया है स्थानांतरण कागज़ पर होता है, और वापसी जुगाड़ पर,चार महीने पहले जिन विवादित प्रधान आरक्षकों को कोरिया,सरगुजा और जशपुर जिलों से हटाकर दूर-दराज भेजा गया था,उन्हीं में से सबसे चर्चित और मायावी प्रधान आरक्षक अब फिर घर के पास पहुँच चुका है और सबसे चौकाने वाली बात 112 को बहाना बनाकर उसे बुलाया गया,जबकि जिले में 112 शुरू ही नहीं हुई,विवादों से घिरा मायावी प्रधान आरक्षक एक बार फिर सुर्खियों में है, यह वही प्रधान आरक्षक है जिसकी 112 के नाम पर वापसी,बिना ट्रेनिंग,और बिना संचालन के जिले में ही सक्रियता पहले से सवालों में थी अब उस पर अनुशासनहीन प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप जुड़ गया है। जिले में वापसी से लेकर प्रोटोकॉल तक मायावी प्रधान आरक्षक की हर गतिविधि सिस्टम को कटघरे में खड़ा कर रही है और यही वजह है कि अब सवाल सिर्फ एक व्यक्ति पर नहीं, पूरे पुलिस प्रशासन की विश्वसनीयता पर खड़ा हो गया है।

अब जिले में यही पूछा जा रहा है...

1. क्या वर्तमान एसपी इस प्रकरण का संज्ञान लेंगे?
2. क्या वह देखेंगे कि 112 शुरू न होने के बावजूद एक विवादित कर्मी को क्यों बुलाया गया?
3. क्या रेंज स्तर पर इस पूरे मामले की समीक्षा होगी?
4. क्या दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वालों पर कार्रवाई होगी या फिर सिस्टम फिर झुक जाएगा

अखबार की चेतावनी सही साबित

स्थानांतरण खेल का पर्दाफाश दैनिक घटती-घटना ने चार महीने पहले ही बताया था कि कुछ पुलिसकर्मी हर हाल में घर वापसी की जुगत में लगे हैं और वही हुआ भी था वही बात सत्यापित हो थी,और यह पूरे पुलिस तंत्र की विश्वसनीयता पर सबसे बड़ा सवाल है।

चार महीने पहले जनता ने राहत की सांस ली थी... अब वही लोग फिर डर और मायूसी में...

पूर्व आईजी सरगुजा द्वारा की गई बड़ी कार्रवाई के तहत कई विवादित प्रधान आरक्षकों को दूर जिलों में भेजा गया, जनता खुश हुई, नारियल फूटे, कोरिया जिले में तो लोग इसे अंततः शांति की शुरुआत मान रहे थे,लेकिन चार महीने बाद ही नए आईजी ने पूर्व आदेश पलट दिया और वही कुख्यात नाम,वही व्यक्तित्व,वही लोग फिर वापसी कर गए।

जिले से भगाया गया था...अब बगल के जिले में बैठा है'...लोगों की प्रतिक्रिया...

मायावी प्रधान आरक्षक को कोरिया से हटाकर जशपुर भेजा गया था, उसकी कार्यप्रणाली, शिकायतें और लगातार विवादों के चलते उसे हटाना जनहित में आवश्यक माना गया था, परंतु अब तत्कालीन एसपी एमसीबी ने उसे जशपुर से हटाकर अपने पास बुला लिया,बल की कमी,112 की जरूरत जैसे कारण देकर प्रक्रिया को सही ठहराया गया,लेकिन अंदरूनी सूत्रों ने बताया जशपुर वाले साथी को वहीं छोड़ दिया गया,लेकिन मायावी प्रधान आरक्षक को वापस ला दिया गया क्योंकि वह एसपी का खास था अब वही प्रधान आरक्षक एमसीबी जिले में फिर अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटा है।

अब सवाल वर्तमान एसपी के सामने– क्या कार्रवाई होगी या फिर ख़ामोशी ही नीति बनेगी?

112 का बहाना बनाकर,ट्रेनिंग में बिना भेजे,जशपुर से बुलाकर, एक विवादित प्रधान आरक्षक को जिले में सक्रिय रखना,यह सीधा-सीधा पुलिस विभाग पर सवाल खड़ा करता है।

क्या पुलिस विभाग दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले कर्मियों के सामने झुक गया है?

दोनों आदेशों–पूर्व आईजी का और वर्तमान आईजी का–की तुलना से एक कड़वा सच सामने आता है पूर्व आईजी ने दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले सभी पुलिसकर्मियों को दूर किया, वर्तमान आदेश ने उन्हें घर-पास के जिलों में वापस भेज दिया,और वह भी सिर्फ चार महीने के भीतर! इससे साफ संकेत मिलता है सिस्टम एक व्यक्ति की जांच, शिकायतें, खराब छवि या जनता की भावनाओं से नहीं चलताज बल्कि किसका कितना प्रभाव है,इससे चलता है।

112 की 'कहानी' का भंडाफोड़...न ट्रेनिंग,न संचालन,फिर भी बुला लिया गया!-

एमसीबी जिले के तत्कालीन एसपी ने एक विवादित प्रधान आरक्षक को जशपुर से तुरंत वापस बुलाते हुए 112 की जिम्मेदारी दिया जो 112 शुरू होने जा रही है,स्टाफ की कमी है,लेकिन अब खुलासा यह 112 जिले में शुरू ही नहीं हुई,112 के लिए नामित कर्मियों की ट्रेनिंग चल रही है,लेकिन यह मायावी प्रधान आरक्षक ट्रेनिंग में गया ही नहीं,उल्टा कोतवाली की ज़िम्मेदारी निभा रहा है,यानी 112 सिर्फ प्लान नहीं,बहाना था...सवाल...जिस योजना की शुरुआत तक नहीं हुई,उसके नाम पर वापसी कैसे संभव?

112 सिर्फ एक बहाना...असल खेल था 'वापसी' का नया मोड़

एमसीबी जिले के तत्कालीन एसपी ने इस प्रधान आरक्षक को जशपुर से तुरंत वापस बुला लिया,कारण बताया–जिले में 112 शुरू होने वाली है, स्टाफ की कमी है लेकिन हकीकत यह कि 112 जिले में शुरू ही नहीं हुई,112 के लिए चुने गए कर्मियों की ट्रेनिंग शुरू हो चुकी है,लेकिन यह मायावी प्रधान आरक्षक ट्रेनिंग में गया ही नहीं,बल्कि कोतवाली में रोजाना की जिम्मेदारियाँ निभा रहा है,तो क्या 112 सिर्फ एक कवर स्टोरी थी? खबरों के अनुसार,112 की जिस बैच को ट्रेनिंग पर जाना था,उसमें भेजे गए नामों में यह प्रधान आरक्षक शामिल था,लेकिन वह जशपुर से पहले बुला लिया गया और कोरिया-एमसीबी क्षेत्र में ही सक्रिय है।

तत्कालीन एसपी की भूमिका पर बड़े सवाल

सूत्रों का कहना है जशपुर भेजा गया प्रधान आरक्षक विवादित था, उसे कोरिया से हटाने की सिफारिश खुद पूर्व एसपी कोरिया ने की थी, तत्कालीन आईजी ने उसे दूर रखने के मकसद से जशपुर भेजा था लेकिन जैसे ही नई पदस्थापना हुई एमसीबी जिले के तत्कालीन एसपी ने उसे जशपुर से बैक-डोर वापसी दिला दी,यह वापसी स्वयं में चर्चा और संदेह दोनों का विषय बन गई है, क्योंकि-वही एसपी उसके 'चहेते' बताए जाते हैं,वही एसपी 112 का हवाला देकर उसे बुलाते हैं,वही एसपी उसे जिले में ही सक्रिय रखते हैं और उसी प्रक्रिया में जशपुर में पदस्थ एक अन्य कर्मचारी बलि चढ़ गया और वहीं अटक गया,अब सवाल यह कि 112 का बहाना बनाकर जिले में एक विवादास्पद व्यक्ति को क्यों स्थापित किया गया?

अब उस पर अनुशासनहीन प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप...टीआई के साथ 'कंधे से कंधा' मिलाकर चलना

क्या यह सामान्य है? नहीं। क्या यह विभागीय आचरण है? नहीं। क्या यह चर्चा का विषय बना? हाँ,पूरे जिले में,आम तौर पर टीआई के साथ एएसआई या एसआई चलता है पर एक प्रधान आरक्षक का उसी स्तर का प्रोटोकॉल लेना लोगों के लिए असमझनीय,विभाग के लिए शर्मनाक, और सिस्टम के लिए ब्रेकडाउन का संकेत माना जा रहा है,जिले में सवाल- किस शक्ति से मिलता है इतना 'प्रोटोकॉल'? सोशल मीडिया, बाजार, चौराहों,सभी जगह चर्चा एक ही है प्रधान आरक्षक टीआई के बराबर कैसे चल रहा था,क्या यह उसकी हैसियत है,या एसपी-टीआई का विशेष संरक्षण? क्या विभाग में रैंक का कोई अर्थ बचा है? लोगों का कहना है कि यह वही व्यक्ति है जिसे कोरिया से जनता की नाराजगी के कारण हटाया गया,जिसे पूर्व आईजी ने जशपुर भेजा,जिसे विवादों के कारण जिले से दूर रखना आवश्यक माना गया,जिसे 112 का फर्जी बहाना बनाकर वापस बुलाया गया,और अब वही व्यक्ति जिले में 'अफसरों के बराबर प्रोटोकॉल' ले रहा है,क्या यह पुलिसिंग है या व्यक्ति विशेष की गुंडई-प्रोटोकॉल व्यवस्था? टीआई के साथ चलते हुए उस प्रधान आरक्षक को कई लोगों ने देखा–और सब जगह सिर्फ एक ही प्रतिक्रिया मिलीः यह गलत है। यह दृश्य बताता है कि रैंक का सम्मान खत्म हो रहा है,अनुशासन ध्वस्त हो रहा है और विभाग के अंदर एक समानांतर शक्ति सक्रिय है जो अपनी मनमानी से विभागीय पदक्रम को धत्ता बता रही है।

क्या वर्तमान एसपी इसे नोटिस करेंगे? या फिर यह भी 'यही चलता है' वाले रवैये में दब जाएगा?

अब पूरा मामला आज की सबसे बड़ी बहस बन चुका है, क्या एक विवादित प्रधान आरक्षक टीआई के बराबर चल सकता है? क्या यह स्पष्ट अनुशासनहीनता नहीं है? क्या ऐसा व्यक्ति विभागीय छवि खराब नहीं कर रहा? और क्या इसे नजरअंदाज करना भी विभागीय मिलीभगत का संकेत है? जिले की जनता और पुलिस विभाग के ईमानदार कर्मी यह सवाल उठा रहे हैं कि अगर यही रवैया रहा तो फिर रैंक,पद, अनुशासन,नियम सब बेकार हो जाएंगे।

जिले में काम कर रहा है, 112 शुरू नहीं हुई...यह किसका आदेश है?

यह तो बिलकुल साफ है कि 112 का संचालन शुरू नहीं हुआ, ट्रेनिंग में शामिल कर्मचारी जा चुके,लेकिन वही प्रधान आरक्षक,जिसे 112 के नाम पर बुलाया गया था,वह जिले में ड्यूटी करते घूम रहा है,तो सवाल उठता है क्या तत्कालीन एसपी ने अपने 'चहेते' के लिए पूरा सिस्टम मोड़ा? क्या यह स्थानांतरण सूची को गलत दिशा में मोड़ने का मामला है? क्या वर्तमान एसपी इस पर संज्ञान लेंगे? क्या आईजी कार्यालय पूरे प्रकरण की जांच करेगा?

अब गेंद वर्तमान एसपी के पाले में–क्या कार्रवाई होगी?

वर्तमान पुलिस अधीक्षक पर अब यह सवाल सीधा खड़ा है, क्या वह इस '112 बहाना प्रकरण' की जांच करेंगे? क्या वह देखेंगे कि ट्रेनिंग पर नहीं जाने वाला अधिकारी कोतवाली में क्यों लगा है? क्या वह तत्कालीन एसपी द्वारा किए गए एकतरफा निर्णय की समीक्षा करेंगे? पुलिस विभाग की विश्वसनीयता इसी पर टिकी है।

क्या है 112 सेवा...

पुलिस की 112 सेवा एक एकीकृत आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली है जो पुलिस, अग्निशमन, एम्बुलेंस और महिला हेल्पलाइन जैसी सभी आपातकालीन सेवाओं को एक ही नंबर पर उपलब्ध कराती है। यह 24×7 काम करती है और किसी भी फोन से कॉल की जा सकती है, जिससे किसी भी संकट की स्थिति में तत्काल मदद मिल सके।

ग्राम जोलगी में बिना अनुमति कटे साल वृक्ष जब्त

भूमि स्वामी पर 1.25 लाख रुपये का अर्थदंड प्रस्तावित

-संवाददाता- एमसीबी,24 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

भरतपुर विकासखण्ड के ग्राम जोलगी में बिना अनुमति पाँच (05) नग साल के वृक्षों की कटाई किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर राजस्व विभाग तुरंत सक्रिय हुआ। सूचना मिलते ही संबंधित राजस्व अधिकारी स्थल निरीक्षण हेतु पहुँचे और अवैध रूप से कटे वर्ष वृक्षों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि बिना किसी वैध अनुमति के इन वृक्षों की कटाई ग्राम जोलगी के निवासी सम्हारु राम पिता सिरपत द्वारा कराई गई थी। इस अवैध कटाई को गंभीरता से लेते हुए उनके विरुद्ध एसडीएम न्यायालय, भरतपुर में प्रकरण दर्ज किया गया है।

प्रशासनिक कार्रवाई के तहत भूमि स्वामी सम्हारु राम पर 1,25,000 (एक लाख पच्चीस हजार रुपये) का अर्थदंड प्रस्तावित है। साथ ही,कटे हुए वृक्षों को राजसात (सरकारी स्वामित्व में शामिल) करने की कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण संरक्षण एवं वन संपदा की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अवैध कटाई के मामलों में कठोर कार्रवाई जारी रहेगी तथा बिना अनुमति वृक्ष कटाई करने वालों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कदम उठाए जाते रहेंगे।

शिक्षक संवर्ग का पदनाम बदलकर 'मल्टी-टास्किंग स्टाफ' कर देना चाहिए-प्रदेश शिक्षक फेडरेशन

-संवाददाता- कोरिया,24 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

राज्य सरकार द्वारा शिक्षण व्यवस्था सुदृढ़ करने के नाम पर शिक्षकों का युक्तिकरण तो कर दिया गया,लेकिन अब शिक्षकों को स्कूलों में आवारा कुत्तों की गणना कर उसकी सूचना पंचायत व नगरीय निकायों को भेजने का आदेश देकर सरकार ने पूरे शिक्षा तंत्र का मजाक बना दिया है,छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी एवं उप-प्रांताध्यक्ष राजेंद्र सिंह दद्दा ने कड़ा सवाल उठाया है क्या स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना अब अत्यावश्यक सेवा नहीं रही? क्या सुप्रीम कोर्ट ने कभी ऐसा आदेश दिया कि शिक्षक आवारा कुत्तों की रिपोर्टिंग करें?

स्कूलों की वास्तविक स्थिति, और शिक्षकों पर थोपे गए अतिरिक्त बोझ- फेडरेशन ने बताया कि अधिकांश सरकारी स्कूलों में बाउंड्रीवाल नहीं है, जहाँ है भी, वह टूटी-फूटी, जीर्ण अवस्था में खड़ी है, रात में स्कूल परिसर असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है, सुरक्षा व्यवस्था शून्य है, पर दुर्घटना होने पर पूरी जवाबदेही शिक्षक पर डाल दी जाती है, ऐसे में यह प्रश्न बेहद गंभीर है शिक्षक स्वयं असुरक्षित हों तो आवारा कुत्तों का प्रबंधन कैसे करेंगे?

परीक्षाएं सिर पर, लेकिन शिक्षकों को बनाया BLO, सर्वे हेल्पर और अब कुत्ता गिनती कर्मचारी- फेडरेशन ने कहा सैंकड़ों शिक्षक अभी BLO (बूथ लेवल ऑफिसर) की ड्यूटी में लगे हुए हैं, बोर्ड परीक्षाओं में अब सिर्फ 2-3 महीने ही बचे हैं, पदोन्नति के बाद कई स्कूल विषय शिक्षक विहीन होने वाले हैं, 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई, अगली कभी भी घोषित हो सकती है–और शिक्षक फिर ड्यूटी में झोंक दिए जाएंगे, ऐसे में सवाल उठता है विषय शिक्षक अपनी मूल जिम्मेदारी कब निभाएंगे? फिर कमजोर परीक्षाफल के लिए शिक्षक को ही दोषी क्यों ठहराया जाता है?

आख़िर गलती किसकी, व्यवस्था की या शिक्षक की?

शासन-प्रशासन द्वारा उपेक्षित स्कूल ढांचे, स्टाफ की कमी,अतिरिक्त गैर-शैक्षणिक कार्य का बोझ और कुप्रबंधन ने शिक्षा व्यवस्था को पहले ही जकड़ रखा है,अब आवारा कुत्ता गिनने जैसे आदेश इस समस्या को और हास्यास्पद और अपमानजनक बना रहे हैं।

फेडरेशन की मांग

यदि सरकार शिक्षकों से हर वह काम कराना चाहती है जो शिक्षा से असंबंधित है, तो स्पष्ट रूप से हमारा पदनाम शिक्षक न रखकर मल्टी-टास्किंग स्टाफ कर ही दे।

न्यायालय नायब तहसीलदार, तहसील भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /ब-121 वर्ष/
ग्राम-..... प.ह.न. .....

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अम्बिका देवांगन पिता भैयालाल जाति पनिका निवासी ग्राम बंजा प.ह.न. रा.नि.म.भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री आयुष कुमार का जन्म दिनांक 15/10/2007 को ग्राम बंजा में हुई,अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री आयुष कुमार का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत बंजा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 30/11/25 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10/11/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
(सील) भैयाथान,
जिला-सूरजपुर छ0ग0

कोरिया में डीएमएफ मद का नया खेल!

कोचिंग के नाम पर करोड़ों खर्च, पर पीएससी सूची में 'शून्य' चयन

नेता-अधिकारी गठजोड़ पर गंभीर आरोप

1 करोड़ की राशि 'डकारी' गई – सूत्र

-रवि सिंह-

कोरिया,24 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के डीएमएफ मद में प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग के नाम पर करोड़ों की भारी बंदरबांट का सनसनीखेज़ आरोप सामने आया है। सबसे बड़ा सवाल यह जब पीएससी अंतिम चयन सूची में कोरिया जिले के कोचिंग सेंटरों से एक भी अभ्यर्थी चयनित नहीं हुआ, तो फिर करोड़ों खर्च कहां गए? किसकी जेब में पहुंचे? और किस 'कारनामे' को उपलब्धि बताकर जनता को गुमराह किया जा रहा है? सरकारी दावे बनाम कड़वी हकीकत आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित एचीवर्स आईसीएस और मंत्रा ट्यूटोरियल नामक कोचिंग संस्थानों पर डीएमएफ राशि से 1 करोड़ से अधिक खर्च करने का आरोप है। सरकारी प्रेस नोट में दावा किया गया कि विगत दो वर्षों में 30 विद्यार्थी सफल हुए, कलेक्टर से सौजन्य मुलाकात की लेकिन वास्तविक पीएससी चयन सूची में कोरिया जिले की इस सरकारी कोचिंग से एक भी नाम नहीं, जबकि डीएमएफ मद की रकम हर साल बढ़ती गई। यही तस्वीर अब सबसे बड़ा सवाल बन चुकी है–जो फोटो 'सफलता' का प्रमाण बताई जा रही थी, क्या वह सिर्फ पीआर स्टंट था?- सूत्रों के अनुसार आरोप एक नोडल अधिकारी और एक प्रभावशाली नेता के बेहद करीबी व्यक्ति पर आरोप है कि उन्होंने कोचिंग के नाम पर बड़ी कटौती की, अभ्यर्थियों को पढ़ाने के नाम पर कम गुणवत्ता वाली क्लासें, सफलता के नाम पर बिना साक्ष्य के आंकड़े,और परिणाम–शून्य चयन!

क्या 30 'सफल उम्मीदवार' वास्तव में इसी कोचिंग के छात्र थे?

सूत्रों का दावा है...अधिकतर चयनित बच्चे पहले से तैयारी कर रहे थे,किसी का कोचिंग से लेना-देना ही नहीं थाज सिर्फ फोटो खिंचवाकर उपलब्धि बताया गया। अगर यह सच है तो डीएमएफ मद का दुरुपयोग सीधा-सीधा धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है,डीएमएफ मद–किसके लिए बना था, किसके लिए खर्च हो रहा है? योजना गरीब,आदिवासी,दूरस्थ ग्रामीण युवाओं के लिए थी,परन्तु आरोप है कि डीएमएफ को निजी दुकान बना दिया गया,और युवाओं के भविष्य के नाम पर खेला गया पैसों का गंदा खेल।

अंतिम सवाल,फोटो में दिख रहे 'सफल अभ्यर्थियों' की लिस्ट कहाँ है?

कलेक्टर कोरिया से जिन्हें सफल अभ्यर्थी बताकर मिलाया गया वह कौन थे यह बड़ा सवाल है,तस्वीर जो सफलता की कहानी बताने समाचारों में छपवाई गई उनमें से कितने ऐसे थे जो सफल हुए यह भी जांच का विषय है,सफलता पाने वालों में से शायद ही कोई शामिल हुआ केवल वह शामिल हुए जो बुलाने से आए जिनमें से कई का परीक्षाओं से कोई लेना देना ही नहीं है,कुल मिलाकर कलेक्टर को भी भ्रम में रखकर क्या सफलता दर्शाई गई।

उनके रोल नंबर,परीक्षा, रिजल्ट,कोचिंग उपस्थिति का क्या रिकॉर्ड है?

जिन लोगों को सफल बताकर कलेक्टर के साथ फोटो खिंचाने खड़ा किया गया उनमें से कौन किस परीक्षा में चयनित हुआ कौन किस पद पर चयनित हुआ उनके रोल नंबर क्या हैं और उनका कोचिंग में कब कब उपस्थिति पंजी में उपस्थिति दर्ज हुआ यह जानकारी प्रदान की जानी चाहिए।

क्या विभाग सच बोलने को तैयार है? और अगर पीएससी सूची में एक भी चयन नहीं–तो करोड़ों किसने और कैसे गटक लिए?

अब सवाल यह है कि आखिर क्या अब विभाग सच बोलने के लिए तैयार है,जब पीएससी परीक्षा में कोई चयनित नहीं हुआ है तो क्यों और किसने कैसे करोड़ों रुपए गटक लिए,अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी जब कोई चयनित नहीं हुआ तो एक ही साल में डीएमएफ से दो दो बार राशि क्यों प्रदान की गई,सवाल कई हैं और यह तय है कि भ्रष्टाचार हुआ बंदरबाट हुई केवल जिले के युवाओं के नाम पर।

कलेक्टर कोचिंग की 'सौजन्य मुलाकात' पर भी उठ रहे सवाल जो तस्वीर 'सफलता' के नाम पर जारी की गई थी,उसी तस्वीर ने अब पूरा झूठ खोल दिया है...

तस्वीर सफलता नहीं,बल्कि करोड़ों की अनियमितताओं का सबूत बन चुकी है,यदि कोचिंग ने इतना शानदार प्रदर्शन किया था, तो पीएससी अंतिम चयन सूची में एक भी नाम क्यों नहीं? क्या विभाग ने कभी ऑडिट,बैकअप रिकॉर्ड, उपस्थिति रजिस्टर,रीयल परिणाम सार्वजनिक किए? जवाब देना ही होगा,यह जनता का पैसा है,डीएमएफ मद निजी फंड नहीं है,यह जनता की खनिज संपत्ति से आने वाला जनहित का पैसा है,और यदि उसके नाम पर फर्जी सफलता,फर्जी कोचिंग,और फर्जी उपलब्धियाँ दिखाकर करोड़ों हड़प लिए गए तो यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं,यह जिले के युवाओं के भविष्य की हत्या है।

9 वीं की छात्रा ने हॉस्टल में लगाई फांसी, लिखा...प्रिंसिपल बैड टच करता था...इलाके में फैली सनसनी

-संवाददाता-

जशपुर,24 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मिशनरी स्कूल में अध्ययनरत 9वीं कक्षा की छात्रा ने हॉस्टल के स्टडी रूम में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। मामला बगीचा थाना क्षेत्र का है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक,छात्रा स्कूल के छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। आज दोपहर जब वह स्टडी रूम में गई, तो काफी देर बाद भी बाहर नहीं आई। संदेह होने पर जब दरवाजा खोला गया, तो वह फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

सुसाइड नोट में लिखी आपबीती

पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया है,जिसमें छात्रा ने अपनी पीड़ा का ब्योरा दिया है। सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा उसे लंबे समय से बैड टच और छेड़छाड़ का सामना करना पड़ रहा था। यही उत्पीड़न उसकी आत्महत्या की वजह बताया जा रहा है। चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि जिस छात्रावास में छात्रा रह रही थी, वह कथित रूप से बिना किसी आधिकारिक अनुमति के संचालित किया जा रहा था। यह गंभीर लापरवाही स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी पर बड़े सवाल खड़े करती है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई दिखाते हुए स्कूल के प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो को हिरासत में ले लिया है। उनके खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं, मर्ग कायम कर मामले की जांच तेज कर दी गई है। छात्रा के सुसाइड नोट को जांच का अहम आधार माना जा रहा है।

ग्राम पंचायत पैनारी में रहस्य माई तरीके से गायब हुआ प्रशासन के द्वारा जप्त किया हुआ क्रेशर

स्टोन क्रेशर मशीन का ग़ायब हो जाना खनिज विभाग और राजस्व विभाग पर खड़े हो रहे हैं सवाल

-संवाददाता-

खड़गवां,24 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत पैनारी में खनिज विभाग और राजस्व विभाग के द्वारा 11 माह पहले अवैध दस्तावेजों के तहत स्टोन क्रेशर मशीन को लगाया गया था। जिसकी शिकायत पर खनिज विभाग और राजस्व विभाग के द्वारा जप्त किया गया था। और इस रहस्य माई तरीके से जप्त स्थल से भारी भरकम स्टोन क्रेशर मशीन का ग़ायब हो जाना खनिज विभाग और राजस्व विभाग पर सवाल खड़े हो रहे हैं? लगता है खनिज विभाग और राजस्व विभाग स्टोन क्रेशर मशीन को जप्त करने के पश्चात आंख मूंदे हुए कर एवं कान में तेल डालकर सो गया था? उधर स्टोन क्रेशर मशीन हो गई गायब या चोरी हो गई। आज तक गायब हुई स्टोन क्रेशर मशीन की रिपोर्ट ना ही खनिज विभाग और ना ही राजस्व विभाग ने दर्ज कराने की जिम्मेदारी समझी है विभागीय अधिकारी सिर्फ ये कहते नजर आ रहे हैं कि हमने मालिक को नोटिस भेजा है ?

क्या रहस्य माई तरीके से गायब हुई स्टोन क्रेशर मशीन

क्या ग्राम पंचायत पैनारी में जप्त स्टोन क्रेशर मशीन के गायब होने के प्रकरण में रिपोर्ट नहीं लिखाई जाती हैं क्या मालिक को नोटिस भेजा जाता है इससे ऐसा प्रतीत होता है कि खनिज विभाग की संलिप्तता में तो ये खेल नहीं खेला गया है। ये मामला तो कई सवालों को जन्म दे रहा है? ग्राम पंचायत पैनारी के स्थानीय सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि ग्राम पंचायत पैनारी में शिवानी कंस्ट्रक्शन कंपनी ने पुल बनाने का ठेका लिया है और इनके द्वारा छोटे झाड के जंगल की ग्राम पंचायत पैनारी की भूमि खसरा नंबर 1080 पर अवैध रूप से शासन प्रशासन के बिना अनुमति के स्टोन क्रेशर मशीन लगाया गया था जप्त स्थल से स्टोन क्रेशर मशीन को उखाड़ कर बगल में संचालित स्टोन क्रेशर मशीन की जगह पर लगाया गया है और संचालित किया जा रहा है स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इसकी जानकारी खनिज विभाग को है उसके बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्यवाही खनिज विभाग के द्वारा नहीं किया जा रहा है? ग्राम पंचायत पैनारी में जप्त स्टोन क्रेशर मशीन पर हुए लाखों रूपए के जुर्माने को बिना जमा किए दबंगई से स्टोन क्रेशर मशीन को उखाड़ कर शिवानी कंस्ट्रक्शन कंपनी ने बेच दिया है। जबकि प्रशासन के द्वारा जप्त किया गया था जो जुर्माने की राशि जमा होने तक प्रशासन के पास स्टोन क्रेशर मशीन जप्त रहती? जप्त स्टोन क्रेशर मशीन को स्थल से गायब हुए लगभग पांच से छः माह हो गए आज तक खनिज विभाग सिर्फ जप्त स्टोन क्रेशर मशीन के मालिक को नोटिस ही भेज सका है आखिर कार्यवाही क्यों नहीं? क्या अब खबरों के प्रकाशन के बाद प्रशासन इस जप्त स्टोन क्रेशर मशीन मालिक शिवानी कंस्ट्रक्शन कंपनी पर कार्यवाही करेगा या सिर्फ नोटिस भेजकर खानापूर्ति ही करता रहेगा?

112 मरीजों का उपचार,दवाइयों का वितरण

काटकोना में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

-संवाददाता-

कोरिया/पटना, 24 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत पटना अंतर्गत खजुराहिल स्कूल,ग्राम काटकोना में आज निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन विनायका हेल्थ केयर क्लिनिक के डॉ. रितेश कुशवाहा, श्री क्लीनिक के डॉ. शाश्वती संतरा, तथा लक्ष्मी डेंटल क्लीनिक एवं डायग्नोसिस सेंटर की डॉ. शिवानी सृजन अग्रवाल और डॉ. निष्ठा अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम सरपंच काटकोना के तत्वाधान में संपन्न हुआ, शिविर में कुल 112 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाइयाँ वितरित की गईं, उपचार में प्रमुख रूप से सर्दी-खांसी,मौसमी बुखार अस्थमा, गठिया,जोड़ों का दर्द,शुगर,ब्लड प्रेशर,पथरी,चर्मरोग,पाइल्स, ल्यूकोरिया एवं गर्भाशय संबंधी समस्याएँ, दांतों की सड़न, मसूड़ों की सूजन,पायरिया आदि कई बीमारियों का परीक्षण व उपचार किया गया।

चिकित्सकों की अपील शिविर में मौजूद विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों को मौसम परिवर्तन के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने,यौन संक्रमण से बचाव, तथा शराब,धूम्रपान, गुटखा-तंबाकू और अन्य नशा न करने की सलाह दी,शिविर की सफलता में सहयोग शिविर को सफल बनाने में सरपंच काटकोना, नर्स स्वाति कुशवाहा, फार्मासिस्ट रोहित साहू,लैब टेक्नीशियन दीपक कुशवाहा, तथा ग्राम के अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

CMYK

पहली फिल्म के लिए धर्मेंद्र को मिले थे मात्र 51 रुपये

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया...अपने करियर के बारे में एक बार उन्होंने खुलासा किया था कि अपनी पहली फिल्म के लिए उन्हें सिर्फ 51 रुपये वेतन मिला था और उन्होंने इसे कैसे खर्च किया था...

इस तरह से ही-मैन ने साइनिंग अमाउंट किया था खर्च

पूरी फिल्म इंडस्ट्री लेजेंडरी एक्टर धर्मेंद्र के जाने से दुखी है, जिनका सोमवार सुबह 89 साल की उम्र में जुहू में उनके घर पर निधन हो गया। एक्टर अपने पीछे न सिर्फ यादगार फिल्में छोड़ गए,बल्कि इंडस्ट्री में अपने शुरुआती सालों की अनगिनत दिल को छू लेने वाली कहानियां भी छोड़ गए। ऐसा ही एक पल सलमान खान के गेम शो 10 का दम से वायरल हुए वीडियो में देखने को मिला, जहां उन्होंने खुलकर बताया कि उन्होंने अपनी पहली फिल्म के लिए कितना कमाया और उसे कैसे खर्च किया।

धर्मेंद्र की पहली कमाई

वह इस एपिसोड में अपने बड़े बेटे सनी देओल के साथ आए थे। गेम शो में 1 लाख जीतने के बाद सलमान ने धर्मेंद्र से पूछा कि जब वह एक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए पंजाब से मुंबई आए थे तो उनके लिए उस रकम का क्या मतलब था। धर्मेंद्र ने तुरंत जवाब दिया, उस समय लाख रुपये... हे भगवान। फिर सलमान ने उनसे उनकी पहली फिल्म की सैलरी के बारे में पूछा। धर्मेंद्र ने मुस्कुराते हुए याद किया, 3,500 7,000 ऐसा था कुछ पर उससे पहले एक और फिल्म मिली थी, अर्जुन हिंगोरानी की। तीन पार्टनर थे और मैं केबिन के किनारे बैठा था सोच रहा था कि मुझे कम से कम 5,000 मिलेंगे, लेकिन उन्होंने साइनिंग अमाउंट के तौर पर सिर्फ 51 दिए।

धर्मेंद्र ने कैसे खर्च की थी अपनी पहली कमाई

धर्मेंद्र ने बताया कि उन्होंने 51 रुपये से शराब खरीदी ताकि वह अपने दोस्तों के साथ सेलिब्रेट कर सकें। याद करते हुए हंसते हुए उन्होंने कहा, जब हमने अपना पहला पैग लिया तो मैंने गिलास को रूमाल से पकड़ा ताकि उस पर मेरे फिंगरप्रिंट न लगें। मुझे लगा कि अगर पुलिस ने मुझे पकड़ लिया तो मेरा करियर खत्म हो जाएगा। फिर एक्टर ने मजाक में कहा, तीसरे पैग तक, मैंने रूमाल छोड़ दिया।

धर्मेंद्र को कैसे मिला ही-मैन का टाइटल

अगले कई सालों में धर्मेंद्र ने कई हिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। सीता और गीता, शोले और यादों की बारात जैसी फिल्मों ने न सिर्फ उनकी वर्सेटिलिटी दिखाई, बल्कि अपने समय के सबसे भरोसेमंद एक्टर्स में से एक के तौर पर उन्हें पहचान दिलाई। 1970 के दशक में अपना स्टारडम बनाए रखने के बाद धर्मेंद्र ने 1980 के दशक में आसानी से एक्शन जॉनर में कदम रखा। उनकी एक्टिंग ने उन्हें इंडिया के ही-मैन का आइकॉनिक टाइटल दिलाया।

धर्मेंद्र की मौत

इस महीने की शुरुआत में धर्मेंद्र को हेल्थ प्रॉब्लम होने के बाद मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जिससे उनके निधन की ऑनलाइन अफवाहें फैल गईं। हालांकि, उनके परिवार ने इन खबरों को खारिज कर दिया और पुराने एक्टर को घर ले आए, जहां उनकी रिकवरी जारी रही। दुख की बात है कि परिवार की उम्मीदों और लाखों फैंस की दुआओं के बावजूद धर्मेंद्र का सोमवार सुबह 89 साल की उम्र में जुहू में उनके घर पर निधन हो गया। बाद में पवन हंस श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां अमिताभ बच्चन समेत परिवार के करीबी सदस्य और साथी उन्हें आखिरी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। धर्मेंद्र के परिवार में उनकी दो पत्नियां, प्रकाश कौर और हेमा मालिनी है। उनके छह बच्चे, सनी देओल, बॉबी देओल, ईशा देओल,अहाना देओल,विजेता देओल और अजीता देओल हैं। उनके जाने से फिल्म जगत, फैंस और चाहने वालों में गहरा दुख है।

धर्मेंद्र का स्टारडम:
हिट्स के मामले में ही-मैन का था दबदबा, अमिताभ बच्चन-शाहरुख खान से भी ज्यादा दी सुपरहिट फिल्में

धर्मेंद्र का स्टारडम ऐसा था कि उनकी हर फिल्म दर्शकों के बीच रिलीज होने से पहले ही चर्चा में आ जाती थी। एक्शन, रोमांस और कॉमेडी हर अंदाज में छा जाने की उनकी क्षमता ने उन्हें बॉलीवुड का असली ही-मैन बना दिया। धर्मेंद्र ने फिल्मों में निभाए अपने किरदारों से ही नहीं बल्कि अपनी एक्टिंग से भी दर्शकों के दिलों को जीता था। पर्दे पर उनके एक्शन को खूब पसंद किया जाता है। धर्मेंद्र लगातार फिल्मों से जुड़े हुए थे। अब उनकी आखिरी फिल्म इक्कीस अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

धर्मेंद्र का सुपरहिट स्टारडम

धर्मेंद्र ने अपने शानदार फिल्मी सफर में हिंदी सिनेमा को कई हिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। 60 और 70 के दशक में वह बॉक्स ऑफिस के सबसे पसंदीदा सितारों में गिने जाते थे। शोले,चुपके चुपके, धरम वीर, दोस्त,अनुपमा,सीता और गीता, कटी पतंग जैसी फिल्मों ने उन्हें हर घर का प्रिय चेहरा बना दिया। धर्मेंद्र हिंदी सिनेमा के वो सुपरस्टार थे,जिन्होंने अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान से ज्यादा हिट फिल्में दी हैं। धर्मेंद्र ने 1960 में 24 साल की उम्र में दिल भी तेरा हम भी तेरे से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इसके बाद वे बंदिनी,आई मिलन की बेला और काजल जैसी हिट फिल्मों में सपोर्टिंग रोल में दिखे, लेकिन 1965 की फिल्म हकीकत ने उन्हें बॉक्स ऑफिस पर एक हिट हीरो बना दिया।

धर्मेंद्र ने अपने करियर में दी सबसे हिट फिल्में

हकीकत से किस्मत चमकने के बाद फूल और पत्थर रिलीज हुई, जिसने उन्हें एक स्टार बना दिया। इसके बाद, 1970 के दशक के आखिर तक,धर्मेंद्र लगातार बॉलीवुड के टॉप एक्टर में से एक बने रहे और उन्होंने अनुपमा, आदमी और इंसान,मेरा गांव मेरा देश, सीता और गीता, शोले,लोफर,यादों की बारात और धरम वीर जैसी कई हिट और सुपरहिट फिल्में दी।

धर्मेंद्र ने कितनी हिट फिल्में दी

80 के दशक में बॉलीवुड के ही-मैन ने एक्शन फिल्मों में काम करना शुरू किया और बदले की आग, गुलामी, लोहा और ऐलान-ए-जंग जैसी मूवीज में नजर आए। 64 साल के करियर में धर्मेंद्र ने 75 हिट फिल्में दीं, जो किसी भी हिंदी फिल्म एक्टर की लीड रोल वाली सबसे ज्यादा हिट फिल्में हैं। उनमें से 6 ब्लॉकबस्टर थीं। अमिताभ बच्चन (57), राजेश खन्ना (42), शाहरुख खान (35) और सलमान खान (38) जैसे सुपरस्टार्स ने अपने करियर में धर्मेंद्र से कम हिट फिल्में दी है। बता दें कि यह जानकारी अभी तक रिलीज हुई इस सभी स्टार्स की फिल्मों के अनुसार है।

ईथा की शूटिंग में घायल हुईं श्रद्धा कपूर

पैर में आई गंभीर चोट, अब वीडियो शेयर कर बताया हाल

श्रद्धा कपूर पिछले दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ईथा की शूटिंग के दौरान घायल हो गई थीं। इस खबर ने एक्ट्रेस के फैंस को चिंता में डाल दिया था। अब श्रद्धा कपूर ने खुद ही फैंस को अपना हाल बता दिया है। एक्ट्रेस ने अपनी हेल्थ को लेकर अपडेट दिया है और बताया है कि आखिर अब वह कैसी हैं। एक्ट्रेस ने अपना हेल्थ अपेडट देते हुए एक वीडियो शेयर किया,जिसमें उन्होंने अपना हाल बताते हुए कहा कि वह घर में टर्मिनेटर बनकर घूम रही हैं। इस वीडियो में एक्ट्रेस अपने घायल पैर का हाल भी फैंस को दिखाती नजर आईं।

श्रद्धा कपूर ने दिया हेल्थ अपडेट

श्रद्धा कपूर बीते दिनों लक्ष्मण उतेकर की अपकमिंग फिल्म ईथा के सेट पर चोटिल हो गई थीं। ऐसे में एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपना हेल्थ अपडेट देते हुए कहती हैं- मेरी लेग इंजरी अब कैसी है... तो टर्मिनेटर की तरह घूम रही हूं। मसल्स टीयर है, ठीक हो जाएगा। बस थोड़ा रेस्ट करना है, लेकिन मैं जल्दी ही ठीक हो जाऊंगी। एक्ट्रेस के इस वीडियो ने उनके फैंस को राहत दी है। कई ने कमेंट करते हुए उनके जल्दी से जल्दी ठीक होने की कामना की है।

शूटिंग सेट पर घायल हुई थीं श्रद्धा कपूर

बता दें, श्रद्धा कपूर पिछले दिनों नासिक के पास औंधेवाड़ी में ईथा की शूटिंग कर रही थीं। फिल्म में एक लावणी सीक्वेंस भी है और इसी की शूटिंग के दौरान एक्ट्रेस घायल हो गईं। हादसे में उनके बायें पैर में फ्रैक्चर आया है, जिसके चलते एक्ट्रेस फिलहाल रेस्ट पर हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रद्धा को लावसी सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान तेज लय वाली म्यूजिक बीट्स को कैच करना था। वह भारी-भरकम जूलरी और कमरपट्टा पहनकर एनर्जेटिक डांस स्टेप्स कर रही थीं, तभी उन्होंने गलती से सारा वजन बायें पैर पर डाल दिया और उनका बैलेंस बिगड़ गया, जिससे अभिनेत्री के पैर में फ्रैक्चर आ गया।

शूटिंग कर दी थी कैंसिल

इस घटना के बाद लक्ष्मण उतेकर ने ईथा का शूटिंग शेड्यूल पोस्टपोन कर दिया है। अब अभिनेत्री के ठीक होने के बाद बाकी का शेड्यूल पूरा किया जाएगा। श्रद्धा कपूर को आखिरी बार स्त्री 2 में देखा गया था, जो 2024 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने जबरदस्त कलेक्शन किया था। इस फिल्म में श्रद्धा के साथ राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी मुख्य भूमिका में थे। इसके अलावा अक्षय कुमार के कैमियो ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

रणबीर कपूर ने सात्विक खाने पर बोला झूठ!

जंगली मटन-पाया खाते दिखे, रामायण के लिए मांसाहार छोड़ने का किया था दावा

रामायण और लव एंड वॉर जिसमें आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी हैं। जैसा कि हम उन्हें सिल्वर स्क्रीन पर चमकते देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, आरके अपने परिवार के साथ नेटफ्लिक्स स्पेशल डाइनिंग विद द कपूर्स के लिए आए,जहां फैंस को उनका अलग ही अवतार देखने को मिला।

डॉक्यूमेंट्री के बाद एक लंच हुआ जहां कपूर खानदान राज कपूर की 100वीं जयंती मनाने के लिए एक खाने के लिए इकट्ठा हुआ। खैर, रणबीर को अब कपूर लंच में फिश करी, जंगली मटन और पाया जैसे डिशेज को खाने के लिए ऑनलाइन ट्रोल किया जा रहा है। कुछ लोग पूछ सकते हैं कि इसमें बड़ी बात क्या है? खैर, जब से रणबीर कपूर रामायण की स्टार कास्ट में शामिल हुए हैं, तब से खबरें आ रही हैं कि उन्होंने शराब और मांसाहारी खाने का त्याग कर दिया है।

रणबीर कपूर ने खाया नॉनवेज?

बताया गया कि फिल्म में भगवान राम के रोल की तैयारी के दौरान, रणबीर सात्विक खाना खा रहे थे। ये दावे तब सामने आए जब उन्हें पहले खुद को बड़ा बीफ खाने वाला कहकर ट्रोल किया गया था। हालांकि उनकी खाने की प्लेट को जूम इन नहीं किया गया था, लेकिन नेटिजन्स को यकीन है कि रणबीर ने डाइनिंग विद द कपूर्स में मांसाहारी खाना खाया था और अब एक्टर को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग उन पर झूठ बोलने का आरोप लगा रहे हैं।

रणबीर कपूर की भद पिटी

एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा- मुझे लगता है बॉलीवुड एक्टर्स की पीआर टीम को बर्खास्त कर देना चाहिए, खासकर आरके और आलिया भट्ट की। वे ऐसी बेवकूफी भरी पोस्ट करने से पहले अपने क्लाइंट्स के पुराने वीडियोज की जरा भी रिसर्च नहीं करते। ऊपर से, ऐसे बढ़ा-चढ़ाकर दावे करते हैं। इस रोल के लिए नॉन-वेज और ड्रिंक्स छोड़ने का दावा करने की क्या जरूरत थी? किसने पूछा? अगर उन्होंने उस समय अपना मुंह बंद रखा होता, तो उन्हें आज इतनी बेवजह की आलोचना का सामना नहीं करना पड़ता। क्या प्रभास ने आदिपुरुष करते समय कभी ऐसे बयान दिए थे? सब जानते हैं कि वह नॉन-वेज और शराब पीते हैं। मुझे याद नहीं कि उनकी पीआर टीम ने ऐसी बेवकूफी भरी बातें कही हों।

खेल-समाचार

भारतीय विमेंस टीम लगातार दूसरी बार कबड्डी वर्ल्ड चैंपियन

फाइनल में चीनी ताइपे को 35-28 से हराया,टूर्नामेंट में सभी मैच जीते

ढाका,24 नवम्बर 2025। भारतीय महिला टीम ने लगातार दूसरा कबड्डी वर्ल्ड कप जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने चीनी ताइपे को 35-28 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पूरी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाली छत्तीसगढ़ की रेडर संजू देवी को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। ढाका में खेले गए फाइनल में टीम शुरुआत से ही पूरी तरह हावी नजर आई। भारत ने पहली बार 2012 में ईरान को हराकर वर्ल्ड कप जीता था। खास बात यह है कि टीम ने वर्ल्ड कप के दोनों सीजन 2012 और 2025 में अपने सभी 12 मैच जीते हैं।

संजू देवी ने पहले ही रेड में बढ़त दिलाई

ढाका के शहीद सुहारावर्दी इंडोर स्टेडियम में हुए मुकाबले में टॉस चीनी ताइपे ने जीता और भारत को पहली रेड का मौका मिला। संजू देवी ने शुरुआत की रेड में ही टीम को बढ़त दिला दी। ताइपे ने बोनस लेकर जवाब दिया, लेकिन पूनम और सोनाली के टैकल्स ने भारत की पकड़ और मजबूत कर दी। संजू ने शुरुआती मिनटों में ही तीन अंकों की एक और दमदार रेड की। ताइपे की येन चियाओ-वेन ने दो अंक लेकर स्कोर 7-7 कर दिया। इसके बाद सुपर टैकल से ताइपे 9-7 से आगे भी हुई।

12वें मिनट में संजू ने 4 पॉइंट्स की रेड की

12वें मिनट में संजू ने चार खिलाड़ियों को आउट कर मैच की तस्वीर बदल दी और भारत 13-12 से आगे हो गया। ताइपे की ह्वांग सु-चिन ने फर्क कम रखने की कोशिश की, लेकिन संजू की दो अंकों की रेड और फिर ऑल आउट ने भारत को 17-14 की बढ़त दिलाई। हाफ टाइम तक भारत 20-16 से आगे था।

दूसरे हाफ में डिफेंस ने शानदार काम किया

दूसरे हाफ की शुरुआत ताइपे ने बोनस पॉइंट से की, लेकिन पुष्पा की तीन अंकों की रेड ने भारत की बढ़त फिर बढ़ा दी। ताइपे ने रेड और टैकल से वापसी का प्रयास किया और स्कोर 25-22 तक लाया, लेकिन भारत की संतुलित रेडिंग और मजबूत डिफेंस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया।

अंत के चार मिनट में ताइपे ने सुपर टैकल कर अंतर 30-26 तक जरूर कम किया, लेकिन भारत ने फिर मैच पर पकड़ मजबूत करते हुए एक और ऑलआउट किया। तय समय के बाद भारत 35-28 से विजेता रहा।

चीनी ताइपे के खिलाफ लगातार दूसरी जीत

चीनी ताइपे के खिलाफ यह भारत की लगातार दूसरी जीत है। 2023 एशियन गेम्स फाइनल में टीम ने 26-25 से जीत दर्ज की थी। उसी टूर्नामेंट के ग्रूप मैच में दोनों टीमें 34-34 से बराबर भी रही थीं।

भारत एक भी मैच नहीं हारा

भारतीय टीम ने ग्रुप स्टेज से लेकर फाइनल तक अपने सभी मुकाबले दमदार तरीके से जीते। 18 नवंबर को भारत ने थाईलैंड को 65-20 से हराकर टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की। इसके बाद 19 नवंबर को बांग्लादेश को 43-18 से,20 नवंबर को जर्मनी को 63-22 से और 21 नवंबर को युगांडा को 51-16 से मात दी। सेमीफाइनल में भारत ने ईरान को 33-21 से हराया और फाइनल में चीनी ताइपे पर 35-28 की जीत के साथ लगातार दूसरा वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया।

प्रांजलि धूमल ने डेफलिंपिक में 25 मीटर पिस्टल में गोल्ड जीता

नई दिल्ली, 24 नवम्बर 2025। भारत की प्रांजलि प्रशांत धूमल ने टोक्यो में 25वें समर डेफलंपिक्स में 25 पिस्टल विमेंस गोल्ड जीता, यह उनका दूसरा गोल्ड और तीसरा मेडल था। प्रांजलि ने फाइनल में 34 का स्कोर किया, जो यूक्रेन की हेलिना मोसिना से दो ज़्यादा था, जिन्होंने सिल्वर मेडल जीता। जिवोन जियोन ने 30 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता, जिन्होंने शूटआउट में भारत की अनुया प्रसाद को हराया, जो आखिर में चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने इससे पहले 10 एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में अभिनव देशवाल के साथ गोल्ड जीता था, जिन्होंने पुरुषों के 25 पिस्टल इवेंट में भी गोल्ड जीता था। प्रांजलि ने फाइनल की पहली सीरीज़ में अपने पहले पाँच में से चार शॉट मारे और नौवीं सीरीज़ के आखिर तक बढ़त बनाए रखी, जहाँ वह मोसिना के साथ 30 शॉट पर बराबर थीं। दसवीं और आखिरी सीरीज़ में, प्रांजलि ने चार शॉट मारे, जबकि मोसिना सिर्फ़ दो ही स्कोर कर पाई, जिससे भारतीय शूटर को गोल्ड मेडल मिला।

वर्ल्ड टेनिस लीग ने भारत में डेब्यू से पहले स्टार खिलाड़ियों की लाइनअप की घोषणा की

बेंगलुरु,24 नवम्बर 2025। वर्ल्ड टेनिस लीग का बेसब्री से इंतज़ार हो रहा है, क्योंकि यह 17-20 दिसंबर तक बेंगलुरु में होने वाला है। स्रू कृष्णा टेनिस स्टेडियम में चार दिनों के टेनिस से पहले, लीग ने टीम मालिकों और रोस्टर की घोषणा की,जिसमें नए लीडरशिप के तहत इंटरनेशनल और इंडियन टेनिस स्टार्स का मिक्स शामिल है। 16 खिलाड़ी, 4 टीमें, 1 चैंपियन - वर्ल्ड टेनिस लीग का 2025 एडिशन कुछ बेहतरीन ग्लोबल टेनिस स्टार्स और भारत के टॉप-सीडेड खिलाड़ियों द्वारा अनुभवी कोचों के गाइडेंस में दिए जाने वाले ज़बरदस्त कोर्टसाइड एक्शन का वादा करता है। इस सीज़न के फ्रैंचाइज़ी मालिक डिफेंडिंग चैंपियन, गेम चेंजर्स फाल्कन्स (अमनदीप सिंह, गेम चेंजर्स के मालिक), रियल्टी हॉक्स (वाशु भगनानी के मालिक), ऑसी मैवरिक्स काइट्स (डॉ. उमेद शेखावत, अमित साहनी और केवल कालरा के मालिक), और एओएस ईगल्स (एओएस स्पोर्ट्स टूर्नामेंट, दुबई के मालिक, सतेंद्र पाल छाबड़ा के लीडर) हैं। गेम चेंजर्स फाल्कन्स के अमनदीप सिंह ने कहा, हम एक और असरदार लाइनअप के साथ टाइटल बचाने के लिए वापस आए हैं। हमारी टीम में पावर और एक्सपीरियंस का बैलेंस है, जिसे मेदवेदेव के कोर्ट डॉमिनेंस और बोपन्ना की डबल्स एक्सपर्टीज़ लीड कर रही है। मैग्डा और सहजा के साथ डेप्थ और वर्सेटिलिटी जुड़ रही है, हम आगे एक पावर-पैक्ड सीज़न की उम्मीद कर रहे हैं!

नक्सल नेटवर्क को बड़ा धक्का...48 लाख के इनामी 15 नक्सलियों ने एक साथ डाले हथियार

सुकमा,24 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सल विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों को सफलता मिल रही है। इसी क्रम में आज सुकमा जिले में एक और बड़ी कामयाबी मिली है,जहां 15 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। इन सभी पर 48 लाख रुपये के इनाम घोषित था। आत्मसमर्पित माओवादियों में PLGA बटालियन-01 के 4 हार्डकोर सदस्य भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में PPCM के 4, SCM के 2, पार्टी सदस्य 3 और अन्य 8 सदस्य शामिल हैं। इनमें 5 महिलाएं और 10 पुरुष माओवादी हैं। इन सभी पर मिलाकर कुल 47 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें 4 माओवादियों पर 8-8 लाख, 2 पर 5-5 लाख, 1 पर 3 लाख, 1 पर 2 लाख, 1 पर 1 लाख का इनाम था। आत्मसमर्पित माओवादियों ने 'छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति' और पुना मुर्गम योजना से प्रभावित होकर हिंसा का रास्ता छोड़ा है।

इसके साथ ही तर्रेम और अंसदरी क्षेत्रों में नए सुरक्षा कैंपों की बढ़ी मौजूदगी ने भी उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित किया। इस आत्मसमर्पण अभियान में जिला पुलिस बल, DRG, RAF, CRPF (02, 212, 217, 223 बटालियन), COBRA 207 और विभिन्न इंटेलिजेंस एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

क्यों किया आत्मसमर्पण : माओवादियों ने 'छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति' और पुना मुर्गम योजना से प्रभावित होकर हिंसा का रास्ता छोड़ने की बात कही। तर्रेम और अंसदरी क्षेत्रों में नए सुरक्षा कैंपों की बढ़ी मौजूदगी ने भी उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किया।

नक्सल संगठन ने राज्य सरकारों को लिखा पत्र,कहा-हम सरेंडर करना चाहते हैं...

नक्सलियों के संगठन ने महाराष्ट्र,मध्यप्रदेश, और छत्तीसगढ़ सरकार को हथियार त्यागकर संघर्ष विराम की पेशकश की है। इसके अलावा सरेंडर के लिए 15 फरवरी तक समय मांगा है। ताकि इसकी सूचना बाकियों साथियों तक पहुंचाई जा सके। पत्र में यह भी भरोसा दिलाया गया है कि इस बार शहीदी सप्ताह नहीं मनाया जाएगा। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ स्पेशल जोनल कमेटी के प्रवक्ता अनंत ने जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि कि केन्द्रीय कमेटी के सदस्य, और पोलित ब्यूरो सदस्य सोनू दादा ने तत्काल प्रभाव से हथियार त्यागकर अस्थाई संघर्ष विराम का निर्णय लिया है। इसका बाकी सदस्यों ने समर्थन किया है। पत्र में कहा गया है कि पार्टी सरकार की पुनर्वास योजना को स्वीकार करना चाहती है, और इसके संदेश बाकी साथियों तक पहुंचाने के लिए 15 फरवरी तक का समय दिया जाना चाहिए। यह सरकार की माओवाद समाप्त करने की डेडलाइन 31 मार्च के भीतर ही है।

सीएम विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से की मुलाकात

रायपुर,24 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से उनके कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान छत्तीसगढ़ में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को नई ऊंचाई देने वाले कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर गहन और सकारात्मक चर्चा हुई। सीएम साय ने राज्य में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट की स्थापना का प्रस्ताव रखा, ताकि युवाओं को आधुनिक खाद्य तकनीक और उद्यमिता का उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिल सके। केंद्रीय मंत्री ने इसे अत्यंत सकारात्मक बताते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने रायपुर में वर्ल्ड फूड इंडिया का रीजनल समिट हर दो वर्ष में आयोजित करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि रायपुर की समृद्ध खाद्य परंपरा, बेहतर कनेक्टिविटी और विविधता इसे आदर्श मंच बनाती है। इससे क्षेत्रीय व्यंजनों को वैश्विक पहचान मिलेगी और नए उद्यमों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही फूड टेस्टिंग लैब और फूड इर्रेडिएशन यूनिट की स्थापना के लिए केंद्र से तकनीकी व वित्तीय सहयोग मांगा गया। सीएम साय ने बताया कि राज्य की नई औद्योगिक नीति में फूड प्रोसेसिंग को विशेष

प्राथमिकता दी गई है। इसी का परिणाम है कि Drools कंपनी 1,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है, जिससे 3,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा और ग्रामीण-आदिवासी क्षेत्रों तक लाभ पहुंचेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ को राइस ब्रान ऑयल हब बनाने का लक्ष्य भी दोहराया, जिससे तेल आयात पर निर्भरता कम होगी और आत्मनिर्भर भारत को मजबूती मिलेगी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सभी प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करने और शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिया। बैठक में प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत और निवेश आयुक्त रितु सेन भी मौजूद रहे।

अमित बघेल को झटका : हाई कोर्ट ने कहा आपराधिक जांच में हस्तक्षेप उचित नहीं..

बिलासपुर,24 नवम्बर 2025। जोहार पार्टी के प्रमुख और छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष अमित बघेल की गिरफ्तारी और पुलिस जांच की निगरानी की मांग को लेकर दायर याचिका पर हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका को खारिज कर दिया कि आपराधिक जांच में न्यायालय का हस्तक्षेप करना उचित नहीं है।

'माइक्रो लेवल मैनेजमेंट' कोर्ट के दायरे से बाहर..

डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में स्पष्ट उल्लेख किया है कि आपराधिक जांच में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता,न ही किसी आरोपित की गिरफ्तारी के संबंध में निर्देश ही दिए जा सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि किसी जांच के तरीके या फिर उसे सीनियर अफसर की निगरानी में कराने जैसे निर्देश देना आपराधिक जांच के माइक्रो लेवल पर मैनेजमेंट जैसा होगा, जो कोर्ट के न्यायिक दायरे में नहीं आता। इस महत्वपूर्ण फैसले के

जरिए कोर्ट ने पुलिस की जांच प्रक्रिया में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा को जाहिर किया है। अमित बघेल ने अपनी याचिका में अपनी गिरफ्तारी के बाद की जांच की गति पर सवाल उठाए थे। हालांकि, कोर्ट ने उनके तर्कों को मजबूत नहीं माना और प्रशासनिक कार्रवाई को उसके तरीके से चलने देने का संकेत दिया। अमित बघेल की यह याचिका खारिज होने के बाद उन्हें कानूनी मोर्चे पर बड़ा झटका लगा है, और उन्हें अब विभागीय स्तर पर चल रही पुलिस कार्रवाई का सामना करना होगा।

अंतरराज्यीय ट्रेडिंग फ्रॉड गैंग का भंडाफोड़..... 1.08 करोड़ की ठगी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़,24 नवम्बर 2025। रायगढ़ पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठगों के एक खतरनाक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 1.08 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ट्रेडिंग ठगी के चार मुख्य आरोपियों को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से धर दबोचा। यह गिरोह यूट्यूब पर आकर्षक विज्ञापन दिखाकर 'यूके इंडिया चैनल' के नाम से फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड करवाता था और लोगों को करोड़ों का मुनाफा दिखाकर ठगता था। पुलिस के अनुसार, इस गैंग ने देशभर में 200 से अधिक लोगों को शिकार बनाया और 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी की है। शिकायत ढिमरापुर के एक उद्योगपति दंपत्ति ने की थी। यूट्यूब विज्ञापन देखकर उन्होंने मई से अगस्त 2025 तक विभिन्न खातों में कुल 1 करोड़ 8 लाख 44 हजार रुपये जमा किए। जुलाई में एकमुश्त

32 लाख जमा करने पर ऐप में उनकी राशि 42 करोड़ रुपये दिखाई गई, लेकिन निकासी के लिए 5 लाख 'ब्रोकरेज शुल्क' मांगकर ठग लापता हो गए। 7 सितंबर को कोतवाली में मामला दर्ज हुआ। एसपी दिव्यांग कुमार पटेल के निर्देश पर साइबर सेल और कोतवाली पुलिस ने खातों की गहन जांच की तो पता चला कि 32.50 लाख रुपये श्रीनगर निवासी यासीर शॉफी चारलू के खाते में गए थे। रायगढ़ पुलिस की विशेष टीम ने श्रीनगर में छापेमारी कर यासीर को पकड़ा। पूछताछ में उसने मेहराजउद्दीन असाई,उसके बेटे अर्शलान अफॉक और साकीब फारूखदार के नाम उगले, जिन्हें भी तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में यासीर शॉफी चारलू (23), साकीब फारूखदार (24), मेहराजउद्दीन असाई (57) और अर्शलान अफॉक (21) शामिल हैं। इनसे चार मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस ने धारा 111, 3(5) भादंसं और 66(डी) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पीड़ित के पूरे 1.08 करोड़ रुपये की रिकवरी के लिए बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसपी ने बताया कि यह कार्रवाई साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है और जल्द ही अन्य शिकायतकर्ताओं को भी राहत मिलेगी।

गांजे से बने नशीले तेल की हो रही थी तस्करी..पुलिस ने घेरेबंदी कर सवा करोड़ से अधिक का तेल किया बरामद

जगदलपुर,24 नवम्बर 2025। बोधघाट पुलिस को एक बड़ी सफलता हासिल हुई है, यहां 2 तस्करों के पास से पुलिस ने गांजा तेल जिसे हशीश भी बोला जाता है,उसे जब्त करने में सफलता हासिल की है। बरामद हाई-कंसंट्रेशन ऑयल की अनुमानित अंतरराज्यीय कीमत करीब 1 करोड़ 30 लाख रुपये बताई गई है।

पकड़े गए उड़ीसा के दो तस्कर : बता दे कि पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि करीबन 30-35 साल के दो लड़के मोटरसाइकिल से केशलूर से गीदम नाका होते हुए बोधघाट चौक की ओर जा रहे हैं, युवकों ने एक काले रंग के बैग में नशे के रूप में उपयोग होने वाले मादक पदार्थ गांजे का तेल/हशिश तेल रखे हैं, जिसे बेचने के लिए गीदम नाका सरगीपाल रोड होते हुए बोधघाट चौक की ओर आ रहे हैं, थाना बोधघाट प्रभारी लीलाधर राठौर के द्वारा टीम बनाकर गीदम नाका सरगीपाल रोड रेलवे साइडिंग के पास मोड़ में जाकर एमसीपी लगाकर वाहन का इंतजार करने लगे,

कुछ समय बाद दोनों युवकों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। युवकों ने अपना नाम सीताराम कुलदीप 35 वर्ष, निवासी एनएडी सुनाबेड़ा, थाना सुनाबेड़ा जिला कोरापुट उड़िसा हॉल पता कोण्डापुर, थाना कोण्डापुर जिला रंगारेडी तेलंगाना व रामचंद्र माड़ी 20 वर्ष निवासी कोयलीपारी थाना कोरकोण्डा,जिला मलकानगिरी उड़िसा का रहने वाला बताये।

बड़े शहरों में ले जाकर बेचते थे हशीश : आरोपी सीताराम कुलदीप ने बताया कि वह पिछले कुछ वर्षों से हैदराबाद में रहकर इलेक्ट्रीशियन काम करता है, इक्ट्रिशियन काम की आड़ में वह मलकानगिरी उड़िसा से अधिक पैसा कमाने की लालच में गांजा का तेल/हशिश तेल की तस्करी करने की नियत से मलकागिरी उड़िसा से दरभा केशलूर होते हुए अपने साथी रामचंद्र माड़ी के साथ मिलकर हैदराबाद, मुंबई, पुणे तथा अन्य बड़े शहरों में बेचने ले जाने की बात बताई। आरोपियों के बैग के अंदर अलग अलग रंग के प्लास्टिक के 10 पैकेटो में गांजा उत्पाद तेल लगभग 10 किलो गांजा का तेल/हशिश तेल बरामद हुआ, जिसे FSL किट से जांच कर देखा गया जो गांजा उत्पाद पाया गया, जिसे तौलने में गांजा का तेल/हशिश तेल 10.396 कि. ग्रा. जिसकी किमत लगभग 1 करोड़ 29 लाख 95 हजार रुपये को अपने कब्जे में रखने के साथ ही बेचने के लिए ले जाने की बात बताई।

बीजापुर में सीमावर्ती चेकपोस्ट पर कार्रवाई 765 क्विंटल, धान से भरे 3 ट्रक जब्त

बीजापुर,24 नवम्बर 2025। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाए रखने के लिए कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देश पर सीमावर्ती चेकपोस्टों पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी निगरानी अभियान के तहत तारलागुड़ा चेक पोस्ट में आज बड़ी कार्रवाई हुई। प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने कुल 765 क्विंटल धान से भरे तीन ट्रकों को जब्त किया। वाहन चालकों से पूछताछ में पता चला कि यह धान तेलंगाना के मुलगु जिला से पेन सीड्स के माध्यम से रायपुर-दुर्ग भेजा जा रहा था। हालांकि, मौके पर चालकों द्वारा डिलीवरी ऑर्डर या अन्य परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

इलाज का पूरा हिसाब अब मोबाइल पर : आयुष्मान कार्ड के दुरुपयोग पर लगेगी रोक,ट्रीटमेंट पर कितना खर्च,तुरंत मिलेगा संदेश

रायपुर,24 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग आयुष्मान भारत और डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना में फर्जी क्लेम रोकने के लिए नया तंत्र विकसित कर रहा है। अब हर लेनदेन पर मरीज के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर बैंक की तरह तुरंत एसएमएस अलर्ट भेजा जाएगा, ताकि कार्ड ब्लॉक होने या इलाज-जांच के नाम पर अतिरिक्त राशि कटने की जानकारी तत्काल मिले।

पहले सामने आई बड़ी गड़बड़ी : विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि मरीजों से इलाज से अधिक राशि काटी जा रही है। हालिया ऑडिट में कैशलेस इलाज के बावजूद मरीजों से अतिरिक्त पैसे वसूले जाने का खुलासा हुआ था। इसके बाद चार अस्पतालों पर कार्रवाई करते हुए एक-एक साल के लिए निलंबित किया गया और जुर्माना लगाया गया।

हर महीने 150 करोड़ का क्लेम : आयुष्मान भारत और राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत निजी व सरकारी अस्पताल प्रतिमाह औसतन 150 करोड़ रुपये का क्लेम प्रस्तुत करते हैं। विभाग इन क्लेम्स का नियमित ऑनलाइन ऑडिट भी करता है।

शिकायत के लिए टोल-फ्री नंबर : किसी भी प्रकार की अनियमितता पर मरीज सीधे टोल-फ्री नंबर

104 या 14555 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। नए सिस्टम के लागू होने के बाद फर्जीवाड़े पर त्वरित अंकुश लगने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय में आयुष्मान कार्ड का उपयोग कर इलाज के नाम पर फर्जी बिलिंग, अनावश्यक जांच और बिना उपचार के राशि काटे जाने जैसी शिकायतें बढ़ी थीं। कई मामलों में मरीजों को कार्ड ब्लॉक होने या राशि कटने की जानकारी महीनों बाद मिलती थी। इससे न सिर्फ आर्थिक नुकसान होता था, बल्कि गंभीर मामलों में मरीज जरूरत के समय इलाज का लाभ लेने से भी वंचित रह जाते थे। इन समस्याओं को रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए यह नई व्यवस्था आवश्यक मानी गई।

रायपुर में भारत-साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा वनडे 3 दिसंबर को

रायपुर,24 नवम्बर 2025। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 3 दिसंबर को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले चरण की ऑनलाइन बुकिंग शनिवार शाम 5 बजे शुरू होते ही वेबसाइट पर 'सोल्ड आउट' का

संदेश आ गया, जिससे फैंस कन्फ्यूज हो गए। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं - यह केवल प्रीमियम कैटेगरी के टिकटों का था। दूसरे चरण में बाकी 30 हजार से अधिक सीटें (कुल 46 हजार में से) रिलीज होंगी, जिन्हें बाद में फिजिकल टिकट में कन्वर्ट किया जा सकेगा। पहले चरण में 16 हजार से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं, जिसमें अपर-लोअर स्टैंड, गोल्ड और सिल्वर कैटेगरी शामिल हैं। स्टूडेंट्स के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। 1500 सीटें आरक्षित हैं, जिनकी कीमत सिर्फ 800 रुपये है। एक छात्र प्रति आईडी केवल एक टिकट ले सकेगा। स्कूल/कॉलेज आई-कार्ड अनिवार्य होगा। 24 नवंबर से इंडोर स्टेडियम में फिजिकल बुकिंग शुरू होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)